राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार,29 जुलाई2020 वर्ष-3, अंक -183 पृष्ठ-08 मूल्य-01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान संकटः

सोशल मीडिया ट्विटर पर कांग्रेस ने चलाया अभियान, 'गेट वेल सून गवर्नर'

जयपुर। सोशल मीडिया मंचों पर स्पीक अप फॉर डेमोक्रेसी अभियान के दो दिन बाद कांग्रेस ने राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र को लेकर गेट वेल सून गर्वनर मुहिम शुरू की। अभियान की शुरुआत करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पांडे ने लिखा है कि ऐसा लगता है कि राज्यपाल मिश्र भाजपा की दमनकारी व पक्षपाती सोच से प्रभावित हैं। राजस्थान के प्रभारी पांडे ने इसको लेकर मंगलवार को कई ट्वीट किए। एक ट्वीट में पांडे ने कहा कि राजस्थान के राजनीतिक घटनाक्रमों से ऐसा प्रतीत होता है कि भाजपा की दमनकारी सोच से हमारे राज्यपाल भी प्रभावित हैं और वे अपनी पक्षपाती सोच से भी स्वस्थ प्रतीत नहीं होते हैं। उन्होंने लिखा है, कलराज मिश्र, जिनकी पहचान कुशल प्रशासक और राजनीतिक शुचिता का सम्मान करने वाले परिपक्व नेता के रूप में होती है, वह राजस्थान के राज्यपाल के गरिमामय पद पर विराजमान हैं। उनकी छवि हमेशा एक आदर्शवादी, धर्मपरायण नेता की रही है। परन्तु राजस्थान में उत्पन्न हुए संकट के सन्दर्भ में देखने में आ रहा है कि राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र एक पार्टी विशेष के हितों की पूर्ति हेतु पक्षपातपूर्ण रवैया अपना रहे हैं जो कि हमारे संविधान में उल्लेखित नियमों का सरेआम उल्लंघन है। एक और ट्वीट में उन्होंने कहा कि इससे यह प्रतीत हो रहा है कि भारत का लोकतंत्र अब नियमों और कानूनों के प्रावधानों के अनुरूप संचालित न होकर पार्टी विशेष के लिए ही रह गया है। संवैधानिक संस्थाओं में बैठकर एक विचार विशेष की राजनीति करना अमान्य है। पांडे ने कहा कि देश कोरोना महामारी से जंग लड़ रहा है। राजस्थान को केंद्र से आर्थिक मदद का अभाव है। पर्याप्त बारिश नहीं हुई है। एक माह में नौ बार टिड्डी दल हमला कर चुका है। राज्यपाल को, राजस्थान मंत्रिमंडल के मुद्दों को प्रथम प्राथमिकता देनी चाहिए ना की किसी पार्टी विशेष को। पांडे ने लिखा है, मेरी अपील है कि राज्यपाल महोदय की एकपक्षीय सोच रुपी संक्रमण से जल्द स्वस्थ होने की कामना करें ताकि वे निष्पक्षता से संविधान और प्रजातंत्र की रक्षा हेतु तत्काल विधानसभा सत्र बुलाने पर अपनी सहमति प्रदान करें जिससे संविधान में निहित प्रावधानों की रक्षा हो। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा का सत्र बुलाने को लेकर राज्य सरकार व राजभवन में गतिरोध बना हुआ है। सरकार की ओर से सत्र बुलाने के लिए तीसरी बार प्रस्ताव मंगलवार को राजभवन भेजा गया।

भारत आने के दौरान राफेल जेट में हवा में भरा गया ईंधन

नेशनल डेस्क। चीन से तनाव के बीच फ्रांस से लड़ाकू विमान राफेल भारत पहुंच रहे हैं। सोमवार को पांच राफेल विमान फ्रांस से रवाना हुए और सात घंटे की यात्रा के बाद यूएई के एयरबेस पर पहुंचे। ये विमान बुधवार को अंबाला एयरबेस पहुंचेंगे। सफर के दौरान हवा में ही इन विमानों में ईंधन भरा गया। भारतीय वायुसेना ने इसे लेकर फ्रांसीसी वायुसेना का खासतौर पर आभार जताया है। पांच राफेल विमानों के इस जत्थे में तीन एक सीट वाले और दो विमान दो सीटों वाले हैं। विमानों में उड़ान के दौरान हवा में ही ईंधन भरा गया। इस काम में फ्रांसीसी वायु सेना के टैंकर की मदद ली गई। इससे पहले सोमवार को फ्रांस से उड़ान भरने के सात घंटे बाद ये विमान तय कार्यक्रम के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल दाफरा हवाई अड्डे पर उतरे थे। अगर मौसम सही रहा तो ये विमान बुधवार को अंबाला पहुंच जाएंगे वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमान के शामिल होने से उसकी युद्ध क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी। राफेल विमानों के भारत आने का समय भी अहम है। ये विमान भारत को ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब पूर्वी लद्दाख में सीमा मामले पर चीन के साथ गतिरोध चल रहा है। माना जा रहा है कि एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर तनाव को देखते हुए इन्हें चीन सीमा पर तैनात किया जा सकता है, जहां वायुसेना संचालन क्षमताएं और मजबूत करना चाहती है। पांच राफेल विमानों के इस जत्थे में तीन एक सीट वाले और दो विमान दो सीटों वाले हैं। विमानों में उड़ान के दौरान हवा में ही ईंधन भरा गया। इस काम में फ्रांसीसी वायु सेना के टैंकर की मदद ली गई। इससे पहले सोमवार को फ्रांस से उड़ान भरने के सात घंटे बाद ये विमान तय कार्यक्रम के मुताबिक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अल धाफरा हवाई अड्डे पर उतरे थे। अगर मौसम सही रहा तो ये विमान बुधवार को यहां पहुंच जाएंगे। वायुसेना में राफेल लड़ाकू विमान के शामिल होने से उसकी युद्ध क्षमता में काफी बढ़ोतरी होगी। राफेल विमानों के भारत आने का समय भी अहम है। ये विमान भारत को ऐसे समय में मिल रहे हैं।

जब पूर्वी लद्दाख में सीमा मामले पर चीन के साथ गतिरोध चल रहा है। माना जा रहा है कि एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर तनाव को देखते हुए इन्हें चीन सीमा पर तैनात किया जा सकता है, जहां वायुसेना संचालन क्षमताएं और मजबूत करना चाहती है।

भारत की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 3 जवान ढेर, 8 घायल

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर सोमवार को पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम उल्लंघन की भारतीय सेना की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना के 3 जवान ढेर तथा आठ अन्य घायल हो गए। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने बगैर किसी उकसावे के प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए भारत के सीमावर्ती गांवों और अग्रिम चौकियों को निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि सेना ने इसका हाजीपीर, पुंछ, छाम्ब और राख चिकरी सेक्टरों में मुंहतोड़ जवाब दिया जिसमें पाकिस्तान का एक सैनिक मारा गया तथा आठ अन्य घायल हो गए। सूत्रों के मुताबिक भीमबेर इलाके में पाकिस्तानी जवान मारा गया जबकि पांच अन्य पुंछ जिले में तथा हाजीपीर, राख चिकरी और पाधर इलाके में एक-एक जवान घायल हुआ। इससे पहले आज दिन में पुंछ जिले में पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के गोलीबारी कर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया था। पुंछ जिले के मानकोट सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तान ने छोटे हथियारों से गोलीबारी की तथा मोटरर के गोले दागे। भारतीय सेना ने इसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए पांच पाकिस्तानी जवानों को घायल कर दिया। इससे पहले रविवार को भी पाकिस्तान ने पुंछ जिले में संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी की थी। सेना की जवाबी कार्रवाई को उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पश्चिम बंगाल में 31 अगस्त तक के लिए बढ़ाया गया लॉकडाउन, बकरीद के दिन रहेगी रियायत

कोलकाता। कोरोना वायरस संक्रमण की तेजी को देखते हुए पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लॉकडाउन को 31 अगस्त तक बढ़ाने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने खुद इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा, सप्ताह में दो दिनों का लॉकडाउन 31 अगस्त तक बढ़ाया जा रहा है। बकरीद के मौके पर एक अगस्त को लॉकडाउन नहीं रहेगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि के दौरान राज्य में लोकल ट्रेनें और मेट्रो सेवाएं भी बंद रहेंगी। इसके अलावा सभी स्कूल-कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थाएं भी अभी बंद रहेंगे। सीएम ममता ने बताया कि बंगाल सरकार ने कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लॉकडाउन बढ़ाने का निर्णय लिया है। बता दें कि पश्चिम बंगाल में अब तक 19502 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है और 1411 मरीजों की मौत हो चुकी है। 39917 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। वहीं देश में कोरोना से स्वस्थ होने वालों की लगातार बढ़ रही संख्या के बावजूद पिछले 24 घंटे में मरीजों की संख्या 11,874 बढ़ गयी है तथा 654 लोगों की मौत हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में इस दौरान 35,175 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं जिससे स्वस्थ होने वालों की कुल संख्या 9,52,743 हो गयी है। इसी अवधि में संक्रमण के नये मामलों की संख्या अधिक होने के कारण सक्रिय मामलों में 11,874 की वृद्धि हुई जिससे इनकी संख्या 4,96,988 हो गयी। मृतकों की संख्या 33,425 हो गयी है।

राम मंदिर भूमिपूजन से पहले RAW का अलर्ट- आईएसआईने बनाई आतंकी हमले की योजना, सुरक्षा कड़ी

नेशनल डेस्क। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को लेकर (पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी) ने आतंकी हमले की योजना तैयार की है। देश की खुफिया एजेंसी राम मंदिर भूमि पूजन के दौरान आतंकी हमले को लेकर अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक भारत में हमले के लिए लश्कर और जैश के आतंकवादियों को अफगानिस्तान में विशेष आतंकी ट्रेनिंग कराई गई है। बताया जा रहा है कि इन आतंकवादियों को तीन से पांच के ग्रुप में अलग-अलग गुटों में भारत भेजा गया है। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ने आतंकियों को अलग-अलग गुट में हमला करने का फरमान जारी किया है ताकि इस हमले को भारत का आतंरिक मामला बताया जा सके। दरअसल 5 अगस्त को आर्टिकल-370 को खत्म किए को एक साल पूरे होने वाले हैं, ऐसे में आतंकी इसको जरिया बनाकर राम मंदिर में अड़ंगा डालने की कोशिस कर सकते हैं। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 5 अगस्त को श्रीराम मंदिर निर्माण के भूमिपूजन कार्यक्रम में शामिल होने वाले हैं और इस दौरान 200 मेहमानों को भी न्योता भेजा गया है। वहीं सुरक्षा एजेंसियों की विशेष टीमें अयोध्या, दिल्ली और जम्मू कश्मीर में तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं।

कोरोना से मृत्यु दर 2.25 प्रतिशत, ठीक होने की दर 64 प्रतिशत से अधिकः स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि 18 जून को कोविड-19 से मृत्यु दर 3.3 प्रतिशत थी जो अब घटकर 2.25 प्रतिशत हो गई है। वहीं, मध्य जून में ठीक होने की दर करीब 53 प्रतिशत थी जो अब 64 प्रतिशत से ज्यादा हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 35,176 मरीजों को छुट्टी मिलने के साथ देश में संक्रमण से ठीक हुए लोगों की संख्या 9,52,743 हो गई है। मंत्रालय ने बताया, ''मध्य जून में कोविड-19 से मृत्यु दर 3.33 प्रतिशत थी जो मंगलवार को घटकर 2.25 प्रतिशत हो गई। भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है, जहां मृत्यु दर कम है। मंत्रालय ने कहा है कि निषिद्ध क्षेत्र को लेकर बनाई गई ठोस रणनीति, घर-घर जाकर जांच करने, जांच की संख्या बढ़ाने और अस्पताल के मामलों में प्रभावी प्रबंधन जैसे प्रयासों की बदौलत मृत्यु दर को कम करने में कामयाबी मिली है। मंत्रालय ने कहा कि अस्पतालों के बोझ को कम करना सुनिश्चित किया और बिना लक्षण वाले मरीजों को निगरानी में घर में पृथक-वास में रखने की पहल की गई। केंद्र सरकार के मार्गदर्शन में राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों की सरकारों ने गंभीर मामलों से निपटने में प्रभावी तरीके अपनाए।स्वास्थ्य क्षेत्र के जमीनी कार्यकर्ताओं का इस्तेमाल करते हुए अत्यधिक जोखिम वाली आबादी को प्राथमिकता के साथ देखभाल करने के लिए कदम उठाए गए। इन सब प्रयासों से देश में कोविड-19 की मृत्यु दर को कम करने में मदद मिली। इस दौरान, त्रि-स्तरीय अस्पतालों के ढांचे को भी बेहतर बनाया गया। लगातार पाचवें दिन देश में 30,000 से ज्यादा लोग संक्रमण से ठीक हो गए। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक मध्य जून में ठीक होने की दर 53 प्रतिशत थी जो मंगलवार को 64.24 प्रतिशत हो गई है। वर्तमान में संक्रमण के 4,96,988 मामले हैं और सारे मरीज चिकित्सकीय निगरानी में हैं। मंत्रालय ने कहा है कि एम्स, नई दिल्ली की विशेषज्ञ टीम द्वारा राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों को संक्रमण के मामलों से निपटने में मदद की जा रही है। संक्रमित मरीज की जल्दी पहचान की जा रही है ।

कांग्रेस और गहलोत को सबक सिखाने की जरूरत, सुप्रीम कोर्ट तक जाएंगेः मायावती

नयी दिल्ली। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती ने राजस्थान के राजनीतिक संकट के बीच मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी के विधायकों का 'असंवैधानिक तरीके से विलय कराने के लिए कांग्रेस एवं मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सबक सिखाना जरूरी है तथा छह विधायकों के मुद्दे पर बसपा उच्चतम न्यायालय तक जाएगी। मायावती ने कहा इस मामले को लेकर बसपा पहले भी कोर्ट में जा सकती थी लेकिन कांग्रेस को इसका सही सबक कब सिखाया जा सकता है। खासकर गहलोत को इसकी हमारी पार्टी राह देख रही थी। इसलिए उसी के हिसाब से अब हमारी पार्टी ने उचित समय पर यह फैसला लिया है।'' मायावती ने एक बयान में कहा, ''राजस्थान विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद बसपा ने कांग्रेस को बिना मांगे समर्थन दिया था ताकि सांप्रदायिक ताकतों को सत्ता से दूर रखा जा सके। बसपा प्रमुख ने दावा किया, '' दुख की बात यह है कि अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी बदनियती से बसपा को गंभीर नुकसान पहुंचाने के लिए हमारे सभी छह विधायकों को कांग्रेस में मिलाने की खातिर असंवैधानिक तरीके से कार्य किया। यही कृत्य उन्होंने अपने पिछले कार्यकाल में किया था। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''गहलोत का कदम संविधान की 10वीं अनुसूची के विरुद्ध है। इसलिए बसपा के विधायकों को व्हिप जारी किया गया है कि वे कांग्रेस सरकार के खिलाफ वोट करें। यह निर्णय कांग्रेस की तरफ से बार बार धोखा दिए जाने के कारण लिया गया। उनके मुताबिक राजस्थान में कांग्रेस की रहती है या नहीं रहती है, इसकी पूरी जिम्मेदारी कांग्रेस और अशोक गहलोत की होगी। मायावती ने कहा, ''बसपा इस मामले को लेकर पहले भी अदालत जा सकती थी, लेकिन कांग्रेस और खासकर अशोक गहलोत को सबक कब सिखाया जा सकता है, इसकी हम राह देख रहे थे। अब हमने अदालत में जाने का फैसला किया। हम इस मामले को ठंडा नहीं पडने देंगे। हम इस मामले को उच्चतम न्यायालय तक ले जाएंगे।उन्होंने कहा, '' कांग्रेस की तरफ से बार-बार असंवैधानिक तरीके से काम किया जा रहा है और ऐसे में उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए। गौरतलब है कि राजस्थान के राजनीतिक घटनाक्रम को एक नया मोड़ देते हुए बसपा ने पिछले साल कांग्रेस में शामिल होने के लिये पार्टी छोडने वाले छह विधायकों को विधानसभा में शक्तिपरीक्षण के दौरान सत्तारूढ़ पार्टी (कांग्रेस) के खिलाफ मतदान करने का रविवार को व्हिप जारी किया। साल 2018 के चुनाव में संदीप यादव, वाजिब अली, दीपचंद खेरिया, लखन मीणा, जोगेंद्र अवाना और राजेंद्र गुधा बसपा के टिकट पर जीत कर विधानसभा पहुंचे थे। उन्होंने पिछले साल 16 सितंबर को कांग्रेस में एक समूह के रूप में विलय के लिए अर्जी दी थी।

पूर्व सहयोगी पर कुमारस्वामी ने साधा निशाना, कहा- 'हॉर्स ट्रेडिंग' का दूसरा नाम कांग्रेस

बेंगलुरु। जद (एस) नेता कुमारस्वामी ने भाजपा के खिलाफ कांग्रेस की राष्ट्रव्यापी 'लोकतंत्र बचाओ अभियान पर कहा कि कांग्रेस 'हॉर्स ट्रेडिंग (विधायकों की खरीद-फरोख्त) का दूसरा नाम है। कांग्रेस जद (एस) के साथ कर्नाटक में इससे पहले सरकार में शामिल रह चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राजनीतिक पार्टियों को बांटने और विधायकों को खरीदने में माहिर है और उसकी वजह से ही 'हॉर्स ट्रेडिंग शब्द इस्तेमाल में आया। कुमारस्वामी ने पूछा, ''कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ देशव्यापी लोकतंत्र बचाओ अभियान शुरू किया है जो लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को गिराने के लिए विधायकों की खरीद-फरोख्त कर रही है। कांग्रेस ने क्या किया? राजस्थान में सरकार बनाने कि लिए समर्थन देने वाली बसपा के विधायकों को फुसला नहीं लिया। क्या यह खरीदारी नहीं है? उन्होंने कहा कि उस पार्टी के विधायकों को अपनी तरफ लुभाना राजनीतिक धोखाधड़ी नहीं है, जिस पार्टी ने उन्हें सरकार में समर्थन दिया। क्या यह लोकतांत्रिक व्यवहार है? उन्होंने कांग्रेस से पूछा, अगर आप समर्थन देने वाली एक जैसी विचार वाली पार्टी के विधायकों को छल से बांट रहे हैं तो आपको कौन समर्थन देगा? क्या यह गलतियां आपको नहीं दिख रही हैं? राजस्थान में उल्लेखनीय राजनीतिक घटनाक्रम में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के छह विधायक पिछले साल सितंबर में कांग्रेस के साथ विधायक दल में शामिल हो गए थे। कुमारस्वामी ने कांग्रेस को याद दिलाया कि पूर्व में पार्टी ने कर्नाटक में जद(एस) के विधायकों को भी बांटा है। उन्होंने कहा, '' क्या उन्होंने बांटने की कोशिश नहीं की है? क्या यह वास्तविकता नहीं है कि सिर्फ एक राज्यसभा सीट के लिए कांग्रेस ने कर्नाटक में जद(एस) के आठ विधायकों को खरीदा? क्या यह लोकतंत्र है? उन्होंने कहा कि दोनों ही पार्टियां खरीद-फरोख्त के अपराधी हैं। कर्नाटक में 2016 में राज्य सभा की सीट पर जद (एस) के आठ विधायकों ने पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ जाकर कांग्रेस को वोट दिया था।

कुमारस्वामी ने कहा, '' एस एम कृष्णा जब कर्नाटक के मुख्यमंत्री थे तो क्या कांग्रेस ने हमारे विधायकों को खरीदने की कोशिश नहीं की थी। क्या कांग्रेस ने 2018 के विधानसभा चुनाव में हमारे विधायकों को खरीद कर सरकार बनाने का षडयंत्र नहीं रचा था।

प्रधानमंत्री मोदी के अयोध्या दौरे पर ओवैसी ने जताया विरोध, बताया संवैधानिक शपथ का उल्लंघन

हैदराबाद। अयोध्या में पांच अगस्त को राम मंदिर के भूमि पूजन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित उपस्थिति का एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने विरोध किया है और कहा है कि ऐसा करना प्रधानमंत्री द्वारा ली गई संवैधानिक शपथ का उल्लंघन करने जैसा होगा। वहीं, विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने लोगों से पांच अगस्त के दिन उत्सव मनाने का आह्वान किया है। ओवैसी ने ट्वीट किया, ''आधिकारिक पद पर रहते हुए भूमि पूजन में शामिल होना प्रधानमंत्री की संवैधानिक शपथ का उल्लंघन होगा। धर्मनिरपेक्षता संविधान की मूल अवसंरचना का हिस्सा है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्यों के अनुसार राम मंदिर निर्माण की शुरुआत के उपलक्ष्य में पांच अगस्त को होने वाले भूमि पूजन समारोह में मोदी के शामिल होने की संभावना है। वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत उन लोगों में शामिल हैं जिन्हें भूमि पूजन समारोह में आमंत्रित किया गया है। ओवैसी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''हम नहीं भूल सकते कि अयोध्या में 400 साल से अधिक समय तक बाबरी मस्जिद खड़ी रही और इसे 1992 में आपराधिक भीड़ ने तोड़ दिया। वहीं, विश्व हिन्दू परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयुक्त महासचिव सुरेंद्र कुमार जैन ने अपने फेसबुक लाइव संबोधन में कहा कि हिन्दू समाज का 500 साल से चला आ रहा संघर्ष जल्द ही सार्थक होगा। उन्होंने कहा, ''राम मंदिर निर्माण के लिए लाखों लोगों ने अपना बलिदान कर दिया। समूचा देश राम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। पांच अगस्त को भूमि पूजन होगा। प्रधानमंत्री भूमि पूजन में शामिल होंगे। जैन ने लोगों से अपील की कि वे पांच अगस्त को सुबह साढ़े दस बजे अयोध्या की तरफ मुंह करके खड़े हों और मन में मंदिर निर्माण के संकल्प के साथ राम नाम का सुमिरन करें तथा आरती करें। उन्होंने कहा कि इस दिन प्रत्येक घर में दीपक जलाकर दीपावली जैसा उत्सव मनाया जाना चाहिए। जैन ने मुस्लिम समुदाय से भी हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान करने की अपील की।

मौसम विभाग का अलर्ट, दिल्ली में 29-30 जुलाई को होगी भारी बारिश

नेशनल डेस्क। भारतीय मौसम विभाग ने दिल्ली में 29 और 30 जुलाई को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा कि राजधानी के निचले इलाकों और सड़कों में पानी भर सकता है, इससे यातायात पर असर पड़ेगा। वहीं बिजली और पानी की सप्लाई भी प्रभावित हो सकती है। मौसम विभाग ने जारी अलर्ट में कहा कि 29 और 30 जुलाई की शाम को दिल्ली-एनसीआर में बारिश होगी। मौसम विभाग के मुताबिक अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मौसम विभाग ने इन इलाकों में भी भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। ढ्ढरूष्ठ के उत्तर क्षेत्रीय पूर्वानुमान इकाई के प्रमुख डॉ कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि वर्तमान में, और यह मंगलवार से दक्षिण की ओर शिफ्ट होना शुरू हो जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सतर्कता की जरूरत

भारत ने चीनी आधार वाले नए 47 एप को प्रतिबंधित कर अपनी उसी नीति को आगे बढ़ाया है, जिसके जरिए हम अपने लिए सुरक्षा जुटाना चाहते हैं। इसके पहले 29 जून को भारत सरकार ने 59 एप पर प्रतिबंध लगाया था। बताया जा रहा है कि जिन नए 47 एप पर प्रतिबंध लगाया गया है, वे पिछले एप से मिलते-जुलते या जुड़े हुए एप हैं। अभी सैकड़ों एप भारत सरकार की निगाह में हैं, इसका अर्थ है कि आने वाले दिनों में और भी चीनी एप पर प्रतिबंध लगने की संभावना है। भारत सरकार अपने नागरिकों से संबंधित डाटा की सुरक्षा के लिए सचेत हुई है, तो इसका स्वागत होना चाहिए। विगत एक दशक से डाटा सुरक्षा को लेकर चर्चाएं हो रही थीं, लेकिन हम इन खतरों के प्रति अब तक उदासीन ही थे, जिसकी वजह से चीन जैसे अविश्वसनीय देश के एप भारत में दिन-दूनी रात चौगुनी तरक्की कर रहे थे। चीनी एप भारत में विगत पांच-छह वर्षों में कुछ ज्यादा ही मजबूत हो गए थे और उनका एक ऐसा शक्तिशाली नेटवर्क बन गया था कि लगता था, देश इससे कभी निकल नहीं सकता। लेकिन गलवान के तनाव ने भारत को सोते से जगा दिया और जिस कदम को असंभव माना जा रहा था, वह भारत सरकार ने आसानी से उठा लिया। भारत सरकार के इस कदम की पूरी दुनिया में चर्चा है और अब तो दूसरे देश भी इसके लिए प्रेरित हो रहे हैं। जिन 47 एप पर अब प्रतिबंध लगाया गया है, वह तो एक सिलसिले की कड़ी भर है। अब ऐसे कदम हमारे लिए मजबूरी हो गए हैं। गौर करने की बात है कि बीजिंग ने भारत द्वारा लगाए गए प्रतिबंध पर अपना कोई आधिकारिक या सकारात्मक कदम जाहिर नहीं किया। उसने कतई यह संकेत नहीं दिया कि उसे भारतीय डाटा सुरक्षा की चिंता है। अगर चीन चिंतित होता, तो वह भारत को आश्वस्त करने की कोशिश अवश्य करता, लेकिन चीन ने यही जाहिर किया कि उसकी कंपनियां बिल्कुल सही कर रही थीं और भारतीय डाटा की कोई अहमियत नहीं है। काश, जो देश अपने डाटा को सौ तालों में बंद रखता है, वह भारत जैसे विशाल देश की भी चिंता को समझ पाता। वह चाहता, तो यह बोल सकता था कि उसकी कंपनियां भारत से कोई डाटा बाहर नहीं लाएंगी, लेकिन उसने अपने अक्खड़पन से यही आभास कराया कि भारत में मौजूद चीनी एप के उपभोक्ता इंसान नहीं, डाटा और धन उगलने की मशीन मात्र हैं। आखिर क्या कारण है कि चीन ने अपने देश के एप पर लगे प्रतिबंध के बाद चूं तक नहीं किया, शायद उसे यह अंदाजा होगा कि वह येन-केन-प्रकारेण भारत में घुसपैठ कर लेगा। अब यह पूरी तरह से स्पष्ट है कि ये जो 47 एप प्रतिबंधित हुए हैं, वे चीन की इसी येन-केन-प्रकारेण घुसपैठ का हिस्सा थे। भारत को लगातार ऐसे कदम उठाने पड़ेंगे और पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहना पड़ेगा। चीन एक ऐसे देश के रूप में सामने आ चुका है, जिसे भारत से केवल फायदा लेना आता है। उसे भारतीयों की भावना की कोई कद्र नहीं है। गलवान में विभिन्न दौर की सैन्य वार्ताओं में पीछे हटने के लिए सहमत होने के बावजूद चीन ने जमीन पर कई जगह अपनी मनमानी के तंबू गाड़ रखे हैं। वह हमें विवश कर रहा है कि हम अपने लिए चिंतित हों और अपनी सुरक्षा के हरसंभव कदम उठाएं। आज हमारी दृढ़ता समय और संसार की मांग है।

आज के ट्वीट

आंदोलन

लो जी अब कर लो बात,अरुंधति रॉय दावा कर रही है कि जम्मू कश्मीर के आतंकी तो अहिंसक आंदोलन चला रहे थे पर भारत सरकार ने इनके खिलाफ आतंक का रास्ता अपनाया।

-- अर्णव गोस्वामी

सेवा क्षेत्र को बढ़ावा तोड़ेगा मंदी का चक्र

भरत झुनझुनवाला

पिछले चार वर्षों से हमारी जीडीपी की विकास दर लगातार गिर रही थी, ऊपर से कोविड ने एक और बड़ा झटका दे दिया है। इस विषम परिस्थिति में देश का एक वर्ग और कई अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं हमें आशा दिला रही हैं कि हम विदेशी निवेश हासिल करके आगे बढ़ सकते हैं। चीन से नाराजगी के कारण चीन छोड़कर जाने को उद्यत बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में आकर्षित किया जा सकता है। लेकिन इस दिशा में अभी तक का रिकार्ड सफल नहीं है। एक रपट के अनुसार चीन से लगभग 46 बहुराष्ट्रीय कम्पनियों ने बाहर जाने का फैसला किया है। उनमें से करीब 24 वियतनाम में और केवल 2 भारत में आई हैं। दरअसल इस सुझाव के पीछे मानसिकता यह है कि भारत का आर्थिक विकास विदेशी पूंजी को आकर्षित करके ही आगे बढ़ सकता है। इनका कहना है कि हमें कोविड के दौरान चीन की बदनामी का लाभ उठाते हुए विदेशी निवेश को और ताकत लगा कर आकर्षित करना चाहिए। लेकिन हम इस सत्य की अनदेखी कर रहे हैं कि हमारे देश की अपनी पूंजी स्वयं बड़ी मात्रा में बाहर जा रही है। एक अनुमान के अनुसार लगभग 5000 अमीर लोग हर साल भारत छोड़कर दूसरे देशों की नागरिकता अपना रहे हैं। वे अपने साथ अपनी पूंजी को भी भारत से ले जा रहे हैं। एक तरफ हमारी पूंजी बाहर जा रही है जबकि हम दूसरी तरफ विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के असफल प्रयास में लगे हुए हैं। महिपाल ग्लोबल एजुकेशन के प्रमुख टी. मोहनदास पाई ने भारत से अमीरों के पलायन के तीन कारण बताये हैं। पहला कारण टैक्स व्यवस्था का आतंक बताया है। उनके अनुसार देश के अमीर टैक्स अधिकारियों द्वारा प्रताड़ित किये जा रहे हैं और भयभीत हैं। दूसरी तरफ मुम्बई के एक उद्यमी ने बताया कि भारत सरकार ने अमीरों द्वारा देश के बैंकों के साथ कपट करने पर साहसिक और सराहनीय कदम उठाये हैं। पूर्व में अमीर लोग बैंकों से ऋण लेकर देश छोड़कर चले जाते थे, जैसे विजय माल्या। लेकिन अब सरकार ने इस प्रकार के बैंक के घपले पर काफी नियन्त्रण किया है। भारत सरकार ने अमीरों द्वारा देश के साथ जो कपट एवं दुर्व्यवहार किया जा रहा था, उस पर अंकुश लगाने का सार्थक प्रयास किया है। लेकिन संभवतः यह एक सीमा से अधिक बढ़ गया है। जैसे कक्षा में बच्चों को अनुशासित करना जरूरी है लेकिन एक सीमा से अधिक अनुशासन कर दिया जाए तो वे अपने को प्रताड़ित और अपमानित समझते हैं। बच्चे यदि कक्षा में बात करें और उन्हें कड़ी सजा दी जाये तो उचित नहीं होता है। ऐसा करना उनका स्वभाव होता है। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि भारत सरकार द्वारा अमीरों के साथ दुर्व्यवहार पर जरूरत से अधिक अंकुश लगाने से अमीर अपने को आतंकित समझ रहे हैं और देश छोड़कर जा रहे हैं। इस प्रकार सही दिशा में उठाया गया सरकार का कदम उलटा पड़ रहा है। इस समस्या का उपाय यह है कि टैक्स अधिकारियों का बाहरी मूल्यांकन किया जाये। उनके द्वारा जिन लोगों का असेसमेंट किया जाता है, उन लोगों से अधिकारी का गुप्त सर्वे कराया जाये। ऐसा करने से सरकार के संज्ञान में आ जायेगा कि कौन अधिकारी एक सीमा से अधिक अमीरों को आतंकित कर रहे हैं, जिसके कारण वे देश छोड़कर जा रहे हैं। यहां ध्यान देने की बात यह भी है कि अपने देश के अमीर इंग्लैंड जैसे देशों को पलायन कर रहे हैं जहां पर टैक्स की दरें हमारे बराबर या हमसे अधिक भी हैं। इसलिए टैक्स दरों में कटौती का लाभ नहीं मिल रहा है बल्कि टैक्स अधिकारियों के आतंक के कारण देश की पूंजी बाहर जा रही है। मोहनदास पाई ने अमीरों के पलायन का दूसरा कारण देश में जीवन की गुणवत्ता में गिरावट बताया है। उनका कहना है कि शहरों में वायु प्रदूषण बढ़ रहा है, यातायात की समस्याएं बढ़ रही हैं। एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचने में कठिनाई होती है इत्यादि। यहां सरकार को अपनी पर्यावरण नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। वर्तमान सरकार ने बुलेट ट्रेन के लिए भारी संख्या में मैन्ग्रोव वृक्षों को काटने का निर्णय लिया है, जल मार्ग से यातायात करने के लिए नदियों का पूरी ताकत से खनन किया है, सड़क बनाने के लिए बेरहमी से जंगलों को काटा है, बिजली का उत्पादन सस्ता करने के लिए थर्मल संयंत्रों को वायु प्रदूषण करने के मानकों में छूट दी है इत्यादि-इत्यादि। सरकार का उद्देश्य है कि पर्यावरण की अड़चनों को कम करके देश के आर्थिक विकास को गति दी जाये। लेकिन इसका प्रभाव ठीक इसके विपरीत हो रहा है। कारण यह कि आर्थिक विकास को हासिल करने के प्रयास में जब सरकार जंगलों इत्यादि को काटती है तो उससे प्रदूषण बढ़ता है और जिसके कारण अमीर देश से पलायन कर रहे हैं और उनके पलायन से विकास दर में गिरावट आ रही है। आर्थिक विकास हासिल करने के गलत रास्ते को अपनाने के कारण सरकार आर्थिक विकास दर में गिरावट को बुला रही है। सरकार को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना होगा। जैसे जल मार्ग, खनन एवं थर्मल बिजली संयंत्रों को छूट देने के पीछे सरकार की मंशा देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की है। सरकार को मैन्युफैक्चरिंग अर्थात मेक इन इंडिया को छोड़कर सेवा क्षेत्र यानी 'सर्विस्ड फॉम इण्डिया' का नारा अपनाना चाहिए। सेवा क्षेत्र में सिनेमा, ट्रान्सलेशन, मेडिकल ट्रांस्क्रिप्शन इत्यादि तमाम कार्य आते हैं। इनके सम्पादन में हमें माल की ढुलाई कम करनी पड़ती है। इनके उत्पादन में मैन्युफैक्चरिंग की तुलना में बिजली की खपत केवल 10 प्रतिशत होती है। इसलिए यदि सरकार मैन्युफैक्चरिंग के स्थान पर सेवा पर ध्यान दे तो हम जल मार्ग जैसे हानिप्रद कार्यों को त्याग कर भी आर्थिक विकास हासिल कर सकते हैं। तद्नुसार प्रदूषण कम होने से अपने देश से अमीरों का पलायन भी कम होगा, उनकी पूंजी का देश में पुनर्निवेश होगा और हमें विदेशी निवेश आकर्षित करने की जरूरत नहीं रह जाएगी। अतः सरकार को अपने पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर आर्थिक विकास हासिल करने की नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। नौकरशाही के बाहरी मूल्यांकन और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होने से देश का आर्थिक विकास भी होगा और हमारे जीवन की गुणवत्ता में सुधार भी होगा। बेटर लिविंग कन्डीशन उपलब्ध होने पर अमीरों का पलायन भी रुकेगा।

लेखक आर्थिक मामलों के जानकार हैं।

ज्ञान गंगा

राम और रावण

आचार्य रजनीश ओशो/ राम और रावण का युद्ध धर्मयुद्ध था। अब यह तय करना मुश्किल है। क्योंकि तय कौन करे? जो जीत जाता है, इतिहासज्ञ उसकी प्रशंसा में गीत लिखते हैं। अगर रावण जीत गया होता, तो क्या तुम सोचते हो, तुम्हारे पास रामायण होती तुलसीदास और वाल्मीकि की? भूल जाओ। अगर रावण जीता होता, तो रामायण तुम्हारे पास नहीं हो सकती थी। और अगर रावण जीता होता, तो तुम्हारे पंडित-पुरोहित-कवि, इन सबने उसकी स्तुति में उसके गीत गाए होते। और तुम्हारे मंदिरों में राम की जगह रावण की प्रतिमा होती। और दशहरे के दिन तुम रावण को नहीं, राम को जलाते। तुम्हें मेरी बात बहुत चौंकाने वाली लगेगी, लेकिन मेरी भी मजबूरी है। सत्य ऐसा ही है। जो जीत जाता है, उसकी स्तुति करने वाले लोग खड़े हो जाते हैं। जो जीत जाए! हमारे पास एक बहुमूल्य कहावत है- सत्यमेव जयते। भारत ने तो उसको अपना राष्ट्रीय प्रतीक बना लिया है सत्यमेव जयते। सत्य की सदा विजय होती है। ऐसा होना चाहिए। मेरा भी मन ऐसा ही चाहता है कि ऐसा हो कि सत्य की सदा विजय हो। यह हमारी अभीप्सा है, आकांक्षा है। मगर ऐसा होता नहीं। यह तथ्य नहीं है, यह परिकल्पना है। यह उटोपिया है, आदर्श है, तथ्य नहीं। तथ्य तो ठीक उलटा है। तथ्य तो यह है जिसकी जीत होती है, उसको लोग सत्य कहते हैं। चिकमंगलूर में चुनाव के पहले इंदिरा गांधी और उनके विपरीत जो उम्मीदवार खड़ा था वह, सभी शंकराचार्य के दर्शन करने गए। इंदिरा गांधी को भी उन्होंने आशीर्वाद दिया और उनके विरोधी उम्मीदवार को भी आशीर्वाद दिया। किसी पत्रकार ने शंकराचार्य को पूछा कि आपने दोनों को आशीर्वाद दे दिया, यह कैसे हो सकता है? अब जीतेगा कौन? तो उन्होंने कहा, सत्यमेव जयते। जो सत्य है वह जीतेगा। इतना आसान नहीं मामला। यहां तो जो जीत जाता है, वही सत्य हो जाता है। जो हार गया, वह असत्य हो जाता है। यहां हारना पाप है; यहां जीतना पुण्य है। अगर रावण जीता होता, तो तुम्हारे पास कहानियां ही बिल्कुल भिन्न होतीं। उनमें राम की निंदा होती और रावण की प्रशंसा होती। और तुम उन्हीं कहानियों को दोहराते, उन्हीं को सुनते बचपन से। अभी तुम राम की प्रशंसा सुनते हो, रावण की निंदा। उसी को तुम दोहराए चले जाते हो। अडोल्फ हिटलर अगर जीत जाता, तो क्या तुम सोचते हो, इतिहास ऐसा ही लिखा जाता जैसा लिखा गया? तब अडोल्फ हिटलर इतिहास लिखवाता। तब उसमें दुनिया के सबसे बड़े शत्रु होते चर्चिल, रूजवेल्ट, स्टैलिन।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

राजनीतिक गिरावट पर अकुश की हो कोशिश

अनूप भटनागर

राजस्थान में चल रहे राजनीतिक दंगल का नतीजा चाहे जो निकले लेकिन ऐसा लगता है कि अब दलबदल कानून को नया कलेवर देने और कानून में दलबदल से संबंधित मामलों के निपटारे के लिये अध्यक्ष या सभापति को दी गयी अर्द्धन्यायिक शक्तियां वापस लेकर इसके लिये एक स्थाई अधिकरण बनाने पर विचार करने का समय आ गया है। देश की शीर्ष अदालत का भी यही विचार है कि जन प्रतिनिधियों की अयोग्यता की मांग करने वाली याचिकाओं पर फैसला लेने संबंधी अध्यक्ष की शक्तियों पर संसद को पुनर्विचार करना चाहिए क्योंकि इस पद पर आसीन व्यक्ति स्वयं किसी न किसी राजनीतिक दल से आते हैं। सामान्यतया, सदन की अध्यक्षता की बागडोर सत्तारूढ़ दल के ही किसी सदस्य के पास होती है, लेकिन गठबंधन सरकार होने की स्थिति में कुछ अपवाद हो सकते हैं। हालांकि, देश में आया राम-गया राम की संस्कृति पर काबू पाने के इरादे से 1985 में राजीव गांधी सरकार ने दलबदल कानून बनाया और इसे संविधान की 10वीं अनुसूची में शामिल किया गया था। इसमे संदेह नहीं कि राजीव गांधी सरकार की मंशा संसदीय राजनीति में पाला बदलने की सस्कृति पर अंकुश लगाने की थी, लेकिन नरसिंह राव सरकार के कार्यकाल में विश्वास मत के बाद की घटनाओं ने इस कानून की खामियों को उजागर किया। इस मामले में लोकसभा के तत्कालीन अध्यक्ष शिवराज पाटिल ने एक जून, 1993 को अपना निर्णय सुनाया था, जिसकी आलोचना भी हुई थी। इसके बाद इस कानून में कुछ बदलाव किये गये लेकिन राजनीतिक मोर्चे पर इसमें कोई विशेष बदलाव या सुधार देखने को नहीं मिला। नतीजा यह हुआ कि कम सदस्यों वाली विधानसभाओं में सरकार बनाने या फिर मंत्री-पद पाने के लिये निर्वाचित सदस्यों का पाला बदलने का सिलसिला चलता रहा और अचानक ही पाला बदलने वाले माननीयों को सदन की सदस्यता के अयोग्य घोषित करने के लिये मूल राजनीतिक दलों की याचिकाओं पर लंबे समय तक विधानसभा अध्यक्षों ने फैसले नहीं लिये। मणिपुर, तमिलनाडु, गोवा और कर्नाटक सहित कई राज्यों में निर्वाचित माननीयों द्वारा पार्टी व्हिप का पालन नहीं करने, सदस्यता से इस्तीफा देने, या फिर दो-तिहाई सदस्य होने का दावा करने के साथ ही नये दल का गठन करना और फिर सत्तारूढ़ दल में विलय जैसे मामलों में संबंधित राज्य की विधानसभा के अध्यक्ष की भूमिका चर्चा का केन्द्र रही है। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायक दल की बैठक में शामिल नहीं होने के कारण बर्खास्त उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट और 18 बागी विधायकों के खिलाफ अयोग्यता कार्रवाई के लिये मिली शिकायत पर विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी ने इन विधायकों को नोटिस जारी किये। यह मामला भी न्यायालय पहुंच गया और सवाल उठा कि जब सदन का सत्र नहीं चल रहा है तो क्या बाहर होने वाली किसी गतिविधि के संबंध में अध्यक्ष अयोग्यता की कार्रवाई के लिए नोटिस जारी कर सकते हैं। विधायकों के पाला बदलने, व्हिप का पालन नहीं करने, सदन की सदस्यता से त्यागपत्र देने या फिर विधायक दल में तोड़फोड़ से संबंधित मामलों में शीघ्र निर्णय का विधानसभा अध्यक्ष को निर्देश देने का अनुरोध करते हुए राजनीतिक दलों को न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाना पड़ा है। दलबदल कानून होने के बावजूद पाला बदलने की घटनाओं पर सदन के अध्यक्ष की भूमिका पर लगातार उंगलियां उठती रहीं हैं और न्यायपालिका इसका समाधान खोजने का प्रयास करती रही। इस तरह की घटनाओं का नतीजा यह हुआ कि मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका से संबंधित मामले में अंततः 21 जनवरी, 2020 को उच्चतम न्यायालय को ऐसे विवादों के निपटारे हेतु एक स्थाई अधिकरण बनाने के लिये संविधान में संशोधन करने पर विचार का सुझाव देना पड़ा। न्यायमूर्ति आरएफ रोहिंग्टन की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ के फैसले में दिया गया यह सुझाव 10वीं अनुसूची के तहत दलबदल करने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों की अयोग्यता के मामले में विधानसभाओं के अध्यक्ष की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है। परंतु, ऐसा लगता है कि मणिपुर विधानसभा अध्यक्ष की भूमिका के संदर्भ में शीर्ष अदालत के इस फैसले में दिये गये सुझाव को सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ने गंभीरता से नहीं लिया। जहां न्यायालय ने इस विषय को अध्यक्ष के अधिकार क्षेत्र से बाहर करने का सुझाव दिया है, वहीं इस पर भी विचार होना चाहिए कि पाला बदलने वाले सत्तारूढ़ दल या गठबधन से जुड़ने वाले निर्वाचित प्रतिनिधियों को एक साल से लेकर विधानसभा के कार्यकाल की अवधि में किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जायेगा। संविधान की 10वीं अनुसूची में शामिल दलबदल कानून में संशोधन करके अगर ये दो प्रावधान शामिल किये जायें तो राजनीति में हो रहे पतन पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकेगा।

भारत में घटिया क्वॉलिटी के सामानों पर लगेगी लगाम, लागू होगा नियम

बिजनेस डेस्क। भारत लगभग 371 कैटगरी के सामान चीन जैसे देशों से आयात की जाती हैं। चीन के खिलाफ आर्थिक कार्रवाई की दिशा में एक कदम बढ़ाते हुए सरकार वहां से निर्यात किए जाने वाले घटिया क्वॉलिटी के सामानों पर लगाम कसने का फैसला किया है। चीन समेत दूसरे देशों से आयात होने वाले 371 आइटम्स की डीटेल लिस्ट तैयार की गई है, जिनकी क्वॉलिटी चेक की जाएगी। मार्च 2021 से भारत इन सामानों पर इंडियन स्टैण्डर्ड मार्क यानी की ढ्स मार्क को जरूरी कर देगा। इन सामानों की लिस्ट में खिलौना, स्टील बार, स्टील ट्यूब, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, टेलिकॉम आइटम, हेवी मशिनरी, पेपर, रबर आर्टिकल, ग्लास मटीरियल जैसी चीजें शामिल हैं। इन सामानों का चीन से बड़े पैमाने पर आयात किया जाता है। सरकार के इस फैसले से चीन से निर्यात किए जाने वाले घटिया क्वॉलिटी के सामानों पर कंट्रोल लग पाएगा। ऐसा करने से आत्मनिर्भर भारत अभियान को भी मजबूती मिलेगी। भारत और चीन का ट्रेड डेफिसिट बहुत ज्यादा है। ऐसे में सरकार की कोशिश है कि धीरे-धीरे चीन से आयात कम किया जाए।

निर्मला सीतारमण ने कहा, 23 कंपनियों में हिस्सा बेचेगी सरकार- सही समय का इंतजार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण नेकहा कि सरकार लगभग 23 सार्वजनिक उपक्रमों में अपनी हिस्सेदारी बेचने का काम पूरा करने में लगी है। मंत्रिमंडल इन उपक्रमों में विनिवेश के प्रस्ताव पहले ही मंजूर कर चुका है। मंत्री ने यह भी कहा कि वह कारोबार केलिए दिए जा रहे कर्ज की समीक्षा के लिए जल्दी ही लघु कर्ज का कारोबार करने वाली कंपनियों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के साथ बैठक करेंगी। सीतारमण ने हीरो एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील कांत मुंजाल के साथ बातचीत में कहा कि सरकार आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत निजी भागीदारी के लिये सभी क्षेत्रों को खोले जाने की घोषणा की थी। उन्होंने कहा अभी इस बारे में अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है इस लिए मैं अभी कुछ बोल नहीं सकती।...लेकिन उन क्षेत्रों में जिसे हम रणनीतिक कहने जा रहे हैं, निजी क्षेत्र को निश्चित रूप से आने की अनुमति होगी। लेकिन उनमें सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की संख्या अधिकतम चार तक सीमित होगी। विनिवेश योजना के बारे में मंत्री ने कहा कि सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में हिस्सेदारी वैसे समय बेचना चाहती है, जब उसे सहीं मूल्य मिले। सीतारमण ने कहा लगभग 22-23 सार्वजनिक उपक्रम हैं जिसे मंत्रिमंडल पहले ही विनिवेश के लिये मंजूरी दे चुका है।

वृद्धि सिर्फ आर्थिक नीतियों पर नहीं, सामाजिक व्यवस्था- राजनीतिक संस्कृति पर निर्भर करती है: बसु

नई दिल्ली। देश की आर्थिक प्रगति सिर्फ आर्थिक नीतियों पर नहीं बल्कि उसकी सामाजिक व्यवस्था, राजनीति संस्कृति, और संस्थानों पर निर्भर करती है और वर्ष 2016 के बाद से इन सभी में लगातार गिरावट हो रही है। यह बात विश्वबैंक के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री कौशिक बसु ने कही। बसु ने जोर देकर कहा कि यदि इन सभी चीजों में सुधार नहीं होता है तो भारत नाम का जो स्वप्न है, वो खत्म हो जाएगा। मानव विकास संस्थान के एक वेबिनार (इंटरनेट के माध्यम से होने वाला सेमिनार) में बसु ने कहा कि सामाजिक ताने-बाने का टूटना भारत को प्रभावित करने की शुरुआत है। बसु कॉरनेल विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र के प्रोफेसर हैं। वह पूर्ववर्ती संप्रग सरकार में वित्त मंत्रालय के मुख्य आर्थिक सलाहकार थे। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में तेज गिरावट कोविड-19 के संकट से दो साल पहले ही शुरू हो गयी थी। अर्थव्यवस्था केवल आर्थिक नीतियों पर निर्भर नहीं करती है। बसु ने कहा कि अर्थव्यवस्था सामाजिक ताने-बाने, राजनीतिक संस्कृति, संस्थाओं और नैतिक मूल्यों पर निर्भर करती है।

डामर उत्पाद बनाने के लिये आईओसी, टोटल ने बनाया संयुक्त उद्यम

नई दिल्ली। फ्रांस की ऊर्जा कंपनी टोटल एसए और देश की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने संयुक्त उद्यम बनाये जाने की घोषणा की। इस संयुक्त उद्यम इकाई में दोनों कंपनियों की बराबर-बराबर हिस्सेदारी होगी और यह देश में सड़क निर्माण उद्योग के लिये डामर के व्युत्पन्न उत्पाद (बिटुमेन डेरिवेटिव्स) और विशेष प्रकार के उत्पाद बनाएगी दोनों कंपनियों ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'संयुक्त उद्यम डामर से बने उत्पाद तथा 'पॉलीमर-मोडिफाइड बिटुमेन', 'क्रम्ब रबड़ मोडिफाइड बिटुमेन', 'बिटुमेन एमल्सन' और अन्य विशेष प्रकार के उत्पादों के विनिर्माण के लिये आईओसी और टोटल के अनुसंधान एवं विकास तथा विपणन क्षमता को साथ लाएगी। संयुक्त कंपनी लागत प्रभावी लॉजिस्टिक समाधान के साथ देश भर में विनिर्माण इकाइयां लगाएगी। टोटल यूरोप में डामर का प्रमुख विनिर्माता और आपूर्तिकर्ता है। वहीं आईओसी डामर बाजार में सबसे बड़ी कंपनी है। बयान के अनुसार संयुक्त दक्षिण एशिया केबयान के अनुसार संयुक्त दक्षिण एशिया के अन्य बाजारों में संभावना टटोलेगी। उल्लेखनीय है कि दोनों कंपनियों के पहले से भारत में एलपीजी और पेट्रोल की क्षमता बढ़ाने वाले उत्पादों (फ्यूल एडिटिव) के क्षेत्र में पहले से कारोबारी संबंध हैं। संयुक्त उद्यम कंपनी सड़क बुनियादी ढांचा के विकास से संबद्ध बी2बी ग्रहकों (व्यापारियों के बीच) की जरूरतों को पूरा करेगी।

छत्तीसगढ़ का बीजापुर आकांक्षी जिला रैंकिंग में पहले स्थान पर, नीति आयोग ने जारी की सूचि

नई दिल्ली। विकास की राह पर प्रगति की नीति आयोग की कसौटी पर पिछड़ा जिलों में छत्तीसगढ़ का बीजापुर को पहला स्थान दिया गया है। यह रैंकिंग आयोग ने फरवरी-जून, 2020 अवधि में हुए कामों के लिये जारी की गयी है। नीति आयोग ने ट्विटर पर लिखा है, 'मेघालय की रीभोई और उत्तर प्रदेश का बहराइच क्रमश- दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।' आयोग की डेल्टा रैंकिंग 112 आकांक्षी जिलों में इस साल फरवरी-जून के दौरान स्वास्थ्य और पोषण तथा शिक्षा समेत छह विकासत्मक क्षेत्रों में हुई प्रगति के आधार पर की गयी है। स्वास्थ्य और पोषण तथा शिक्षा समेत छह विकासत्मक क्षेत्रों में हुई प्रगति के आधार पर की गयी है। रैंकिंग के लिये स्वास्थ्य और पोषण, शिक्षा के अलावा, कृषि और जल संसाधन, वित्तीय समावेश, कौशल विकास तथा मूल ढांचागत सुविधा को आधार बनाया जाता है। सरकार ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम जनवरी 2018 में शुरू किया। इस कार्यक्रम मकसद मुख्य सामाजिक क्षेत्रों में पीछे रह गये और अल्पविकसित श्रेणी में आने वाले उन जिलों को तरक्की के रास्ते पर लाना है।

इंडिगो ने किया एलान, सीनियर कर्मचारियों की 35 प्रतिशत सैलरी कटेगी

नई दिल्ली। कोविड-19 संकट के बीच इंडिगो ने अपने वरिष्ठ कर्मचारियों के वेतन में अब 35 प्रतिशत तक कटौती करने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह कदम नकदी प्रबंधन के लिए उठाया गया है। मई के बाद से इंडिगो अपने वरिष्ठ कर्मियों के वेतन में 25 प्रतिशत तक की कटौती कर रही है। कंपनी ने 20 जुलाई को घोषणा की कि वह इस कटौती को थोड़ा और बढ़ाने जा रही है। महामारी की वजह से कंपनी के सामने खड़े हुए आर्थिक संकट से निपटने के लिए वह अपने कर्मचारियों के वेतन में10 प्रतिशत की कटौती और करेगी। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रणजय दत्ता ने एक ई-मेल में कर्मचारियों से कहा, 'मैं अपनी खुद की वेतन कटौती को बढ़ाकर 35 प्रतिशत कर रहा हूं। मैं हमारे सभी वरिष्ठ उपाध्यक्षों और उससे ऊपर के अधिकारियों से 30 प्रतिशत वेतन कटौती करने के लिए कह रहा हूं। सभी पायलटों की वेतन कटौती बढ़ाकर 28 प्रतिशत कर दी गयी है। जबकि सभी उपाध्यक्षों के वेतन में 25 प्रतिशत कटौती और एसोसिएट उपाध्यक्षों के वेतन में 15 प्रतिशत की कटौती होगी।' उन्होंने कहा कि यह वेतन कटौती एक सितंबर से लागू होगी। चालक दल के सदस्यों के वेतन में 10 प्रतिशत और बैंड-सी के कर्मचारियों के वेतन में पांच प्रतिशत की कटौती की थी।

टिकट बुक करने पर नहीं लगेगा चार्ज, रेल मंत्री ने लॉन्च किया कार्ड

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े बैंक, ने आज रेल मंत्रालय की कंपनी इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन के साथ मिलकर एक को ब्रांडेड रुपे इंटरनेशनल क्रेडिट कार्ड जारी किया। इसे रेल मंत्री पीयूष गोयल ने जारी किया। साथ ही उन्होंने अगले 25 दिसंबर तक कम से कम 3 करोड़ लोगों को यह कार्ड जारी करने का टास्क भी दिया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए हुए इस कार्यक्रम में एसबीआई के अध्यक्ष रजनीश कुमार भी उपस्थित थे। इस अवसर पर पीयूष गोयल ने कहा कि एसबीआई कार्ड अगले 25 दिसंबर, जो कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का जन्म दिन भी है, तक कम से कम 3 करोड़ ग्राहकों तक इस कार्ड को पहुंचाए। साथ ही उन्होंने कहा कि वह हर 15 दिन पर इस की समीक्षा रिपोर्ट देखेंगे और हर महीने इसकी प्रगति पर बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि इस समय आईआरसीटीसी के प्लेटफार्म पर हर वर्ष 30 करोड़ टिकट कटते हैं। इसलिए उसके 10 फीसदी मतलब, 3 करोड़ लोगों को यह क्रेडिट कार्ड जारी करना कोई बड़ा लक्ष्य नहीं है। उन्होंने बताया कि इस क्रेडिट कार्ड के जरिए हुए हर एसी टिकट खरीद पर ग्राहक को 10 फीसदी वैल्यू बैक दिया जाएगा। मान लिया जाए कि कोई ग्राहक 5000 रुपए का टिकट खरीदता है तो उसे 500 रुपए वैल्यू बैक दे दिया जाएगा। यह प्वाइंट के रूप में जमा होगा और ग्राहक अगली खरीद में इसका उपयोग कर सकेंगे। मतलब कि कई सौ प्वाइंट जमा हो गया तो आपका रेलवे टिकट फ्री में कट जाएगा। यदि आप एसबीआई आईआरसीटीसी को ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड का उपयोग कर रेलवे की वेबसाइट से टिकट कटाएंगे तो आपको 1 फीसदी का ट्रांजेक्शन शुल्क भी नहीं देना होगा। अन्य क्रेडिट कार्ड धारकों को आईआरसीसी पर टिकट कटाने पर एक फीसदी का ट्रांजेक्शन चार्ज देना होता है । आपको तो पता ही होगा कि जैसे हवाई अड्डे पर प्रीमियम लाउंज होता है, उसी तरह रेलवे स्टेशनों पर भी एक्जीक्यूटिव लाउंज की सुविधा मिलनी शुरू हो गई है। एसबीआई और आईआरसीटीसी के इस कार्ड के धारकों को साल में चार बार रेलवे स्टेशनों पर फ्री में प्रीमियम लाउंज के उपयोग की सुविधा मिलेगी।

टेक महिंद्रा का शुद्ध लाभ 972.3 करोड़ रुपये, राजस्व में 5प्रतिशत की वृद्धि

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा का एकीकृत शुद्ध लाभ जून, 2020 को समाप्त तिमाही में 1.4 प्रतिशत बढ़कर 972.3 करोड़ रुपये रहा। टेक महिंद्रा ने सोमवार को एक बयान में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की इसी तिमाही में कंपनी को 959.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था । कंपनी की एकीकृत आय चालू वित्त वर्ष अप्रैल-जून तिमाही में 5.2 प्रतिशत बढ़कर 9,106 करोड़ रुपये रही जो पिछले साल की इसी अवधि में 8,653 करोड़ रुपये थी। टेक महिंद्रा का प्रति शेयर लाभ (ईपीएस) 30 जून, 2020 को समाप्त तिमाही में 11.07 रुपये रहा। डॉलर के संदर्भ में कंपनी का शुद्ध लाभ 2020-21 की पहली तिमाही में 7.1 प्रतिशत घटकर 12.88 करोड़ डॉलर रहा जबकि आय 3.2 प्रतिशत घटकर 120.75 करोड़ डॉलर रही। कंपनी के कर्मचारियों की संख्या आलोच्य तिमाही के अंत में 1,23,416 रही जो इससे पिछली तिमाही आधार पर 1,820 कम है। टेक महिंद्रा के मुख्य वित्त अधिकारी मनोज भट ने कहा कि मांग की अनिश्चितता और कारोबार कम होने के बावजूद हम लागत को काबू कर के अपने परिचालन में मजबूती दिखाने में सफल रहे। उन्होंने कहा कि मांग सुधरने पर कंपनी के लाभ का अनुपात सुधरेगा। उन्होंने कहा कि मांग सुधरने पर कंपनी के लाभ का अनुपात सुधरेगा।

आम्रपाली के खरीदारों के लिए अच्छी खबर, 5 अधूरे प्रोजेक्ट्स पर शुरु होगा काम

बिजनेस डेस्क। आम्रपाली के प्रोजेक्ट्स में फ्लैट खरीदने वालों के लिए अच्छी खबर है। लगभग दस साल से घर की आस में बैंक की ईएमआई और किराए के मकान का रेंट जमा कर रहे लोगों को अब अपना घर मिलने की उम्मीद जगी है। अगस्त-सितंबर में ग्रेनो वेस्ट में आम्रपाली की 5 परियोजनाओं में काम शुरू होने की उम्मीद है जबकि 3 प्रोजेक्ट्स में काम शुरू हो चुका है। नैशनल बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनबीसीसी) ने इच्छुक ठेकेदारों को दो अधूरी परियोजनाओं के लिए 30 जुलाई और बाकी तीन परियोजनाओं के लिए 5 अगस्त तक आवेदन देने को कहा है। इस पर 4021 करोड़ रुपए खर्च होंगे। उम्मीद है कि अगले छह महीने से लेकर 3 साल तक ग्रेनो वेस्ट में फंसे 32 हजार से अधिक खरीदारों को फ्लैट मिल जाएंगे। एनबीसीसी की रिपोर्ट के अनुसार ग्रेनो वेस्ट के अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए ठेका देने का काम शुरू हो चुका है। वहां के सेंचुरियन पार्क स्थित टेरेस होम और ट्रॉपिकल गार्डन में अधूरा काम पूरा कराने के लिए ठेकेदारों से 5 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। इस पर 691.15 करोड़ रुपए खर्च होंगे। लेजर वैली की आदर्श आवास योजना और वैराना हाइट्स परियोजना के अधूरे काम पूरे कराने के लिए एनबीसीसी ने ठेकेदारों की तलाश शुरू कर दी है। इन दोनों परियोजनाओं के लिए भी आवेदन करने की अंतिम तारीख 5 अगस्त है। आदर्श आवास योजना को पूरा करने में एनबीसीसी 576.86 करोड़ रुपए निवेश करेगी। वैरोना हाइट्स परियोजना पूरी करने में 1126.29 करोड़ रुपए खर्च होंगे। ड्रीम वैली और ड्रीम वैली फेज-2 को पूरा करने के लिए एनबीसीसी ने 30 जुलाई तक आवेदन मांगे हैं।

ड्रीम वैली पर 251.10 करोड़ रुपए और इसके फेज-2 पर 1375.72 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इस तरह इस पांच परियोजनाओं को कुल 4021.12 करोड़ रुपए खर्च कर पूरा किया जाएगा।

मोदी सरकार का नया तोहफा, रिटायर होने वाले कर्मचारियों को तुरंत मिलेगी पेंशन

बिजनेस डेस्क। कोरोना वायरस माहामारी के दौरान मोदी सरकार ने रिटायर हो रहे कर्मचारियों के लिए एक शानदार पहल की है। केंद्रीय कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद बिना किसी भागदौड़ किए पेंशन मिलनी शुरू हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान रिटायर होने वाले केंद्र सरकार के कर्मचारियों को नियमित पेंशन भुगतान आदेश जारी होने और अन्य औपचारिकताएं पूरी होने तक अस्थाई पेंशन राशि मिलेगी। उन्होंने कहा कि महामारी और 'लॉकडाउन' को देखते हुए यह निर्णय किया गया। सरकारी कर्मचारियों को मुख्य कार्यालय में पेंशन फार्म जमा करने में कठिनाई हो सकती है या हो सकता वे 'सर्विस बुक' के साथ दावा फार्म भौतिक रूप से संबंधित वेतन और लेखा कार्यालय में जमा करवा पाने की स्थिति न हो। खासकर दोनों कार्यालय अगर अलग-अलग शहरों में स्थित हैं, तो यह समस्या और बढ़ जाती है।कार्मिक, जन शिकायत और पेंशन मामलों के मंत्री सिंह ने कहा, ''यह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के लिए उपयुक्त है जो निरंतर एक शहर से दूसरे जगह जाते हैं और जिनके मुख्य कार्यालय, वेतन और लेखा कार्यालय वाले स्थान से दूसरे शहरों में होते हैं।

इरडा ने लोगों को किया आगाह, धोखाधड़ी से बचें- बीमा कंपनियों या पंजीकृत एजेंट से लें बीमा पॉलिसी

नई दिल्ली। बीमा नियामक इरडा ने ठगी और धोखाधड़ी को लेकर लोगों को आगाह किया और लोगों से सीधे बीमा कंपनियों या पंजीकृत मध्यस्थों/एजेंटों से ही बीमा पॉलिसी लेने का सुझाव दिया। बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने सार्वजनिक नोटिस में कहा कि आम लोगों/पॉलिसीधारकों को अज्ञात और गलत काम करने वाले तत्वों से कॉल आते रहते हैं। उसमें वे स्वयं को इरडा के अधिकारी या प्रतिनिधि बताते हैं तथा लुभावने पेशकश करते हैं जो बीमा पॉलिसी के दायरे से बाहर होता है। नियामक ने कहा कि वे बीमा लेन-देन विभाग, आरबीआई या किसी अन्य सरकारी एजेंसियों का नाम लेकर लोगों को गुमराह करते हैं। नोटिस के अनुसार, 'वे जो पेशकश करते हैं, उसमें जीवन बीमा पॉलिसी के लाभ वास्तविकता से परे होते हैं। वे उस पॉलिसी में बिना दावा वाले बोनस, एजेंसी के कमीशन, निवेश राशि, वृद्धि रकम आदि को वापस करने आदि की पेशकश करते हैं, जो वैध नहीं रहे। इस पेशकश के एवज में पेश कुछ राशि पहले जमा करने या शुल्क भुगतान के लिये कहते हैं।' नियामक ने यह स्पष्ट किया कि वह सीधे तौर पर किसी भी बीमा या वित्तीय उत्पादों की बिक्री से जुड़ा नहीं है और न ही वह बीमा कंपनियों को प्राप्त प्रीमियम राशि का निवेश करता है।

न ही वह पॉलिसीधारकों या बीमा कंपनियों के लिये बोनस की घोषणा करता है। इरडा ने कहा, 'लोगों को सीधे बीमा कंपनियों या पंजीकृत मध्यस्थों/एजेंटों से ही बीमा पॉलिसी लेने चाहिए या वित्तीय लेन-देन करने चाहिए।' नियामक ने लोगों से कॉल करने वाले की जांच करने और उसकी पेशकश के बारे में संबंधित बीमा कंपनियों और पंजीकृत मध्यस्थों से जानकारी लेने की सलाह दी।

टेलिकॉम के लिए सबसे बुरा दौर गुजर गया, लेकिन अभी भी सरकारी समर्थन की जरूरत: सुनील मित्तल

नई दिल्ली। सरकार को दूरसंचार क्षेत्र की वहनीयता बनाए रखने के लिए क्षेत्र के विभिन्न शुल्कों को तर्कसंगत बनाना चाहिए और क्षेत्र के कामकाज पर बुरा असर डालने वाले लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों को बंद कर देना चाहिए। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने यह कहा है। मित्तल ने कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में तीन+एक के ढांचे के साथ क्षेत्र को व्यवहार्य बनाए रखने के लिए सरकार को आगे बढ़कर विभिन्न शुल्कों को तर्कसंगत बनाना चाहिए। भारती एयरटेल की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में मित्तल ने कहा है कि यह स्पष्ट है कि दूरसंचार उद्योग का सबसे बुरा दौर निकल चुका है लेकिन यह कहना कि क्षेत्र पूरी तरह से समस्याओं से निजात पा चुका है जल्दबाजी होगी। कंपनी की वर्ष 2019- 20 की वार्षिक रिपोर्ट में मित्तल ने कहा है, ''भारत में अभी भी दुनियाभर के लिहाज से डेटा पर सबसे कम शुल्क लिया जाता है, ऐसे में उद्योग मुश्किल से ही अपनी पूंजी लागत को वसूल पाता है। दूरसंचार उद्योग को इसकी गहरे वित्तीय नुकसान की भरपाई और दूरसंचार परिचालकों को भविष्य की प्रौद्योगिकियों में निवेश करने लायक बनाने के लिए काफी समर्थन की जरूरत है। मित्तल ने कहा, हाल की शुल्क वृद्धि से बेशक उद्योग को कुछ सहारा मिला है लेकिन यह अभी भी उद्योग को व्यवहार्य बनाए रखने के लिहाज से काफी कम है। उन्होंने सरकार से दूरसंचार परिचालक कंपनियों की आवश्यक जरूरतों की तरफ ध्यान दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''सरकार को दूरसंचार क्षेत्र के शुल्कों को तर्कसंगत बनाने पर ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही लंबे समय से चले आ रहे कानूनी विवादों को बंद कर देना चाहिए, इन विवादों की वजह से दूरसंचार परिचालकों के प्रदर्शन को बड़ा नुकसान पहुंचता है। मित्तल ने कहा कि सरकार के स्तर पर तुरंत उठाए जाने वाले इन कदमों से हम तीन जमा एक ढांचे वाले व्यवहार्य उद्योग ढांचे को सुनिश्चित कर सकेंगे।

यह एक अरब से अधिक भारतीयों की डिजिटल आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जरूरी है। मित्तल ने कहा कि दुनिया इस समय कोविड-19 के रूप में सामने आए अप्रत्याशित संकट के दौर से गुजर रही है। इस महामारी से अर्थव्यवस्थाओं, व्यवसायों और जीवन के तौर तरीकों सभी पर प्रभाव डाला है।

स्वर्णाभूषण विक्रेताओं की अनिवार्य हॉलमार्किंग समयसीमा को एक साल आगे बढ़ाने की मांग

मुंबई। सोने के आभूषणों पर हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने वाले आदेश की समयसीमा को आगे बढ़ाने के सरकार के निर्णय का आभूषण उद्योग ने हालांकि स्वागत किया है लेकिन उनका मानना है कि सरकार को समयसीमा को कम से कम एक साल आगे बढ़ाना चाहिए था ताकि मौजूदा आभूषण के स्टॉक को समाप्त किया जा सके। कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव को देखते हुए सरकार ने सोमवार को सोने के आभूषणों में अनिवार्य हॉलमार्किंग आदेश को लागू करने की समयसीमा को करीब चार महीने आगे बढ़ाकर एक जून 2021 कर दिया। हालांकि, आभूषण विनिर्माता एवं विक्रेता उद्योग इससे संतुष्ट नहीं है और वह इस अवधि को जनवरी 2022 तक बढ़ाए जाने की मांग कर रहा है। अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के चेयरमैन अनंत पद्मनाभन ने कहा, ''हम स्वर्णाभूषणों और शिल्पकृतियों की अनिवार्य रूप से हॉलमार्किंग करने की समयसीमा को बढ़ाने के सरकार के फैसला का स्वागत करते हैं,

लेकिन हमने इस समयसीमा को एक साल बढ़ाने का आग्रह किया था। इस समय बिक्री काफी कम है, जब तक हम पुराने स्टॉक को निकाल नहीं देते हैं उसके स्थान पर हॉलमार्किंग वाला स्टाक नहीं आ पाएगा। इसमें समय लगेगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न आभूषण विक्रेताओं की संस्था के साथ मिलकर संगठन इन चिंताओं को बताते हुये एक और ज्ञापन सरकार को देगा। सरकार ने सोने के आभूषणों में अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू करने की समयसीमा को 15 जनवरी 2021 से बढ़ाकर एक जून 2021 कर दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्री राम विलास पासवान ने सोमवार को संवाददाताओं को बताया कि यह निर्णय आभूषण विक्रेताओं के आग्रह पर लिया गया है। उन्होंने कहा, अगले साल एक जून से आभूषण विक्रेताओं को केवल 14, 18 और 22 कैरेट सोने के आभूषण बेचने की ही अनुमति होगी। वर्तमान में सोने की हालमार्किंग एक तरह से उसकी शुद्धता का प्रमाणन है और यह स्वैच्छिक है। केन्द्र सरकार ने पिछले साल नवंबर में सोने के आभूषणों और शिल्पकृतियों के लिए 15 जनवरी 2021 से हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर दिए जाने की घोषणा की थी।

फेसबुक से आगे निकली चीन की Tencent, बनी दुनिया की सबसे मूल्यवान सोशल मीडिया कंपनी

बिजनेस डेस्क। चीन की दिग्गज ऑनलाइन गेम्स कंपनी मार्केट कैप के हिसाब से आज दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनी बन गई। उसने अमेरिकी की दिग्गज कंपनी फेसबुक को पछाड़कर यह तमगा हासिल किया। चीनी कंपनी का शेयर आज 4.7 फीसदी की उछाल के साथ 544.50 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर पर पहुंच गया और इसके साथ ही उसका बाजार पूंजीकरण 5.2 लाख करोड़ हॉन्ग कॉन्ग डॉलर पहुंच गया। डॉलर के हिसाब से यह राशि 670 अरब डॉलर बैठती है जबकि फेसबुक का मार्केट कैप 657.83 अरब डॉलर है। अगर का शेयर 533 हॉन्ग कॉन्ग डॉलर के भाव पर भी बंद होता है तो यह दुनिया की सातवीं सबसे बड़ी कंपनी होगी। दो हफ्ते पहले चीन की दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अलीबाबा ने फेसबुक को पछाड़कर दुनिया की छठी सबसे मूल्यवान कंपनी का तमगा हासिल किया था। अलीबाबा का मार्केट कैप करीब 673 अरब डॉलर है। अमेरिकी की टेक्नोलॉजी और इंटरनेट कंपनियों ने लंबे समय तक दुनिया पर राज किया है। लेकिन हाल के वर्षों में चीन ने इनोवेशन और तकनीक के हर क्षेत्र में बाजी मारी है। एवरब्राइट सन हुंग काई में वेल्थ मैनेजमेंट स्ट्रैटजिस्ट केनी वेन ने कहा, चीन की जीडीपी बढ़ रही है जिससे आने वाले दिनों में ज्यादा से ज्यादा चीनी कंपनियों टॉप 10 या टॉप 100 में नजर आएंगी। यह दौर लंबे समय तक जारी रहेगा लेकिन कोविड-19 महामारी और अमेरिका तथा चीन के बीच बिगड़ते रिश्तों से स्थिति जटिल हो सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

4 महीने से पाकिस्तान में फंसा था दक्षिण अफ्रीका का खिलाड़ी, अब विंडीज के लिए हुआ रवाना

कराची। दक्षिण अफ्रीका के लेग स्पिनर इमरान ताहिर आखिरकार चार महीने बाद पाकिस्तान से रवाना होने में सफल रहे। वह कोविड-19 महामारी के चलते यात्रा संबंधी प्रतिबंधों के कारण मार्च से ही पाकिस्तान में रुके हुए थे। पाकिस्तान में जन्मा यह दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज रविवार को सीधे वेस्टइंडीज के लिए रवाना हुआ जहां उन्हें कैरेबियाई प्रीमियर लीग (सीपीएल) में हिस्सा लेना है। ताहिर पाकिस्तान सुपर लीग में भाग लेने के लिए पाकिस्तान आए थे और लीग के निलंबन के बाद यात्रा प्रतिबंधों के कारण उन्हें लाहौर में ही रुकना पड़ा था। इस क्रिकेटर के करीबी सूत्रों ने कहा, 'वह लाहौर का रहने वाला है और यात्रा प्रतिबंध हटने तक यहीं टिका रहा। इस क्रिकेटर के करीबी सूत्रों ने कहा, 'वह लाहौर का रहने वाला है और यात्रा प्रतिबंध हटने तक यहीं टिका रहा।

विश्व चैम्पियन

लिजेंड्स ऑफ चैस - आनंद की वापसी गेलफंड को दी मात

चेन्नई ।

भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नें आखिरकार हार के लगातार क्रम को तोड़ते हुए जीत की राह पकड़ ली है । 1 मिलियन डॉलर की मेगनस कार्लसन आमंत्रण लीग के आखिरी टूर्नामेंट लिजेंड्स ऑफ चैस मे रिकॉर्ड लगातार छह राउंड हार चुके आनंद नें अपनी खराब लय को पीछे छोड़ते हुए इज़राइल के बोरिस बोरिस गेलफंड को लगभग एकतरफा अंदाज में पराजित किया । चार रैपिड मुक़ाबले के राउंड मे चौंथे राउंड की जरूरत ही नहीं पड़ी । पहले मुक़ाबले में काले मोहरो से खेलते हुए आनंद नें बोगो इंडियन ओपेनिंग का सहारा लिया और बोरिस के खिलाफ एक बेहद रोचक घोड़े का बलिदान देकर तीन पासर प्यादे निकालते हुए एक बेहद शानदार जीत दर्ज की । देखे इस जीत का विडियो विश्लेषण - हिन्दी चेसबेस इंडिया के सौजन्य से दूसरे मुक़ाबले में सिसिलियन ओपनिंग में सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए आनंद नें शुरुआत से ही अच्छी स्थिति रखी हालांकि उनके बिखरे हुए प्यादे उनके लिए मुसीबत बनते इससे पहले ही उन्होने अपने दोनों घोड़ो और हाथी के शानदार खेल से मैच को ड्रॉ कोई ओर मोड दिया पर गेलफंड के ऊंट से घोड़े को मारने की गलत चाल नें आनंद को जीतने का मौका दिया और उन्होने बिना किसी गलती के दूसरा मैच जीतकर स्कोर 2-0 कर दिया । गेलफंड के ऊंट से घोड़े को मारने की गलत चाल नें आनंद को जीतने का मौका दिया और उन्होने बिना किसी गलती के दूसरा मैच जीतकर स्कोर 2-0 कर दिया । तीसरे मुक़ाबले में एक बार बोगो इंडियन ओपनिंग खेली गयी और आनंद इस बार फिर सक्रिय खेलते हुए जीत के करीब पहुँच गए हालांकि मुक़ाबला ड्रॉ रहा और आनंद नें स्कोर 2.5-0.5 करते हुए राउंड जीत लिया । इस जीत के बाद आनंद अब 6 अंको पर पहुँच गए है

उन्हे अभी अगले उन्हे अभी अगले दो राउंड मे चीन के डिंग लीरेन और उक्रेन के वैसली इवांचुक से मुक़ाबला खेलना है । सात राउंड के बाद नॉर्वे के विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन 20 अंको के साथ पहले ,रूस के इयान नेपोंनियची 16 अंको के साथ दूसरे तो नीदरलैंड के अनीश गिरि 14 अंको के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे है ।

टेस्ट विकेटों के मामले में ब्रॉड के पास मुझे पीछे छोड़ने का अच्छा मौका: एंडरसन

मैनचेस्टर ।

अनुभवी जिमी एंडरसन ने कहा कि तेज गेंदबाजी के उनके जोड़ीदार स्टुअर्ट ब्रॉड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पिछले दो मैचों में 'अभूतपूर्व गेंदबाजी की और उनके पास टेस्ट में इंग्लैंड की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का मौका है। टेस्ट में इंग्लैंड के लिए सबसे अधिक विकेट का रिकार्ड एंडरसन के नाम है। वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के पहले मैच से टीम से बाहर किए गए 34 साल के ब्रॉड ने तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन क्रेग ब्रेथवेट को आउट कर इस प्रारुप में 500 विकेट पूरे किये। ब्रॉड टेस्ट इतिहास में 500 विकेट लेने वाले चौथे तेज गेंदबाज बन गए। उनसे पहले ग्लेन मैक्ग्रा, कर्टनी वाल्श और एंडरसन इस कारनामे को कर चुके है। सैंतीस साल के एंडरसन ने कहा कि उनका यह साथी गेंदबाज प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने पिछले 2 मैचों में गेंदबाजी की है वह अभूतपूर्व है। पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने काफी मेहनत की है और इसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है। एंडरसन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम दोनों में से कोई भी विकेट की संख्या पर ध्यान दे रहा हैं। हमें साथ में मैच जीतना और उन क्षणों का जश्न मनाने में मजा आता है। हम टेस्ट में एक साथ गेंदबाजी करना पसंद करते हैं, हमारे पास अच्छी समझ है। मौजूदा श्रृंखला की तीसरे टेस्ट से पहले 152 मैचों में 587 विकेट लेने वाले एंडरसन ने कहा, 'अगर वह इसी तरह से प्रदर्शन करना जारी रखे तो वह मुझ से ज्यादा विकेट लेगा। मैंने उसे यह कहते हुए सुना है कि वह मेरी उम्र तक क्यों नहीं खेल सकता है। वह शानदार लय में है और काफी अभी काफी विकेट लेगा।

लंका प्रीमियर लीग की हुई घोषणा, 28 अगस्त से होगा टूर्नामेंट

स्पोर्ट्स डेस्क । श्रीलंका क्रिकेट ने अपनी घरेलू टी20 लीग लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) की घोषणा कर दी है। लंका प्रीमियर की शुरूआत 28 अगस्त से होगी और फाइनल मुकाबला 20 सितम्बर को खेला जाएगा। इस लीग में 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। श्रीलंका क्रिकेट कार्यकारी समिति ने एक आयोजित बैठक के बाद लंका प्रीमियर लीग टी 20 टूर्नामेंट के संचालन की मंजूरी दे दी। इस लीग में चार मैदानों में 23 मैच खेले जाएंगे। इस मैदानों के नाम आर प्रेमदासा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रंगीरी दंबालु अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम और सुरियावा महिंदा राजपक्षे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम हैं। जहां तक टीमों की बात है तो लंका प्रीमियर लीग में कोलंबो, कैंडी, गाले, दांबुला और जाफना शहरों के नाम वाली पांच टीमें लीग में भाग लेंगी। इस पर श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, 70 से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और 10 शीर्ष पायदान कोच पहले ही श्रीलंका के राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट के लिए पहले ही श्रीलंका के राष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर चुके हैं। प्रत्येक फेंचाइजी की अधिकतम 6 विदेशी खिलाड़ियों को लेने की अनुमति होगी जिसमें से केवल 4 ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे।

टेस्ट क्रिकेट :

गंभीर ने रोहित के लिए सेट किया बड़ा लक्ष्य, कहा- सहवाग की तरह हो सकता है सफल

स्पोर्ट्स डेस्क ।

लम्बे समय से खुद को वनडे और टी20 में साबित करने वाले धमाकेदार ओपनर रोहित शर्मा पिछले साल पिछले साल टेस्ट में ओपनर के तौर पर प्रोमोट हुए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ दोनों इनिंग्स में शतक ठोका और सीरीज में शतक ठोकने वाले खिलाड़ी बन गए। अब पूर्व भारतीय ओपनर गौतम गंभीर ने रोहित शर्मा के लिए टेस्ट में बड़ा लक्ष्य सेट किया है। गंभीर का मानना है कि दाएं हाथ के इस बल्लेबाज के पास टेस्ट क्रिकेट में सलामी बल्लेबाज के रूप में महान वीरेंद्र सहवाग की उपलब्धियों का मुकाबला कर सकता है। गंभीर ने एक शो के दौरान कहा, वह शानदार सफेद गेंद का क्रिकेटर है, शायद वीरेंद्र सहवाग सहित हममें से किसी से भी बेहतर रिकॉर्ड हो। लेकिन टेस्ट क्रिकेट पूरी तरह से अलग गेंद का खेल है। उन्होंने कहा कि हां, मैं इसे देख सकता हूं लेकिन देखते हैं कि उनका क्रिकेट कहां जाता है क्योंकि वीरेंद्र सहवाग ने 2 तिहरे शतक जमाए हैं। मुझे उम्मीद है कि रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट में वीरेंद्र सहवाग की तरह सफल हो सकते हैं। गौर हो कि रोहित शर्मा की तरह सहवाग ने भी ओपनर के रूप में भुमिका निभाने से पहले मिडिल आर्डर में खेला है। जहां तक रोहित के वनडे में रिकॉर्ड की बात है तो उन्होंने 2014 में सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ते हुए वनडे में 264 रन की सबसे बड़ी पारी खेली थी। अब तक, वह एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एकदिवसीय मैचों में तीन दोहरे शतक बनाए हैं। इसी के साथ ही वह टी20 में चार शतक लगाने वाले एकमात्र बल्लेबाज भी हैं।

जहां तक रोहित के वनडे में रिकॉर्ड की बात है तो उन्होंने 2014 में सहवाग का रिकॉर्ड तोड़ते हुए वनडे में 264 रन की सबसे बड़ी पारी खेली थी। अब तक, वह एकमात्र ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एकदिवसीय मैचों में तीन दोहरे शतक बनाए हैं।

संक्षिप्त समाचार

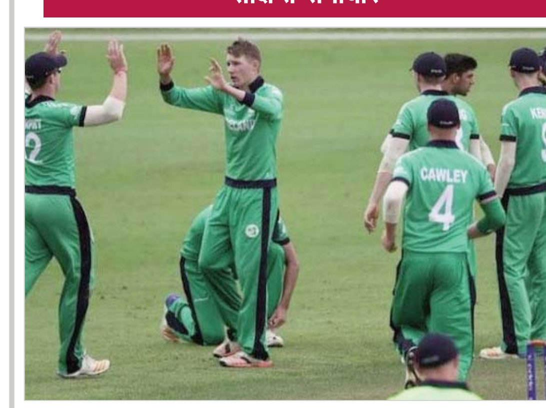

आयरलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे के लिए किया टीम का ऐलान

साउथम्पटन । हरफनमौला कुर्टिस कैंफर को इंग्लैंड के खिलाफ गुरूवार को होने वाले पहले एक दिवसीय क्रिकेट मैच के लिए आयरलैंड की 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। एंड्रयू बालबर्नी टीम के कप्तान होंगे। दक्षिण अफ्रीकी मूल के कैंफर ने नामीबिया के खिलाफ फरवरी में टी20 श्रृंखला में आयरलैंड ए के लिये दो शतक लगाये थे । मध्यक्रम के बल्लेबाज हैरी टेक्टर को भी टीम में जगह दी गई है जो आयरलैंड के लिये टी20 क्रिकेट खेल चुके हैं। एंड्रयू बालबर्नी (कप्तान), कुर्टिस कैंफर, जेरेथ डेलानी, जोश लिटिल, एंड्रयू मैकब्राइन, बैरी मैकार्थी, केविन ओ ब्रायन, विलियम पोर्टरफील्ड, बॉयड रैंकिन, सिमि सिंह, पॉल स्टर्लिंग, हैरी टेक्टर, लोरकान टकर, क्रेग यंग।

सीनियर टीम के लिए खेलना और ओलंपिक पदक जीतना है सपना: इशिका चौधरी

ग्वालियर । भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की इशिका चौधरी का कहना है कि उनका सपना सीनियर टीम के साथ खेलते हुए ओलंपिक पदक जीतना है। इशिका ने कहा- किसी भी अन्य युवा खिलाड़ी की तरह मेरा अंतिम सपना भारत के लिए खेलना और ओलंपिक खेलों में पदक सहित बहुत सारी ट्रॉफी जीतना है। लेकिन साथ ही, मैं अपने तात्कालिक लक्ष्य पर भी ध्यान केंद्रित कर रही हूं जोकि 8वीं जूनियर महिला एशिया को जीतना है। हॉकी इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट ने चौधरी के हवाले से कहा- 2021 के जूनियर महिला विश्व कप में अपनी बर्थ को सुरक्षित रखना उनका लक्ष्य है। 20 वर्षीय चौधरी ने 11 साल की उम्र में खेल खेलना शुरू किया था और उन्होंने मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी से स्नातक किया है। चौधरी ने कहा कि उनके कोच और उनके परिवार ने वास्तव में उस रास्ते की मदद की जिसने उन्हें खेल में विकसित करने की अनुमति दी। इशिका ने कहा- जब मैंने पहली बार शुरुआत की, तो मुझे नहीं पता था कि मेरे हॉकी करियर के शुरुआती साल कैसे गुजरेंगे। मुझे लगता है कि मेरे कोच और मेरे परिवार ने वास्तव में मेरी मदद की है। उन्होंने एक युवा खिलाड़ी को सही सलाह और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

इस गेंदबाज पर बोले डेविड वार्नर- इंगलैंड में जब मैं खेलूं तो वो न ही खेले तो अच्छा

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर सोच रहे हैं कि वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड को क्यों उतारा गया और उन्होंने अपने 'उत्कृष्ट' फॉर्म के लिए पेसर की प्रशंसा की। वार्नर के कहा- मुझे लगता है कि उन्हें छोड़ना चाहिए। मुझे नहीं पता कि इंगलैंड बोर्ड ने उन्हें पहले गेम में क्यों ड्रॉप किया। अच्छा तब होगा अगर मैं फिर से वहां खेलूं और वह मैच में नहीं खेल रहा हो। वार्नर ने कहा कि ब्रॉड ने बल्ले से भी 50 से ज्यादा रन बनाए। वह शायद शेन वार्न से कुछ बल्लेबाजी टिप्स ले रहा है, जो अजीब है। लेकिन जिस तरह से वह गेंदबाजी कर रहा है या जिस तरह से पिछले 18 महीनों से कर रहा है, वह बेहद अच है। वहीं, विंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट से ब्रॉड को बाहर रखने पर उन्होंने कहा- मुझे नहीं पता कि इसके पीछे तर्क क्या था। लेकिन अच्छी बात यह है कि उन्होंने वापसी की और कुछ विकेट लिए। लेकिन अच्छी बात यह है कि उन्होंने वापसी की और कुछ विकेट लिए। वार्नर ने आगे कहा कि ब्रॉड एक विश्व स्तरीय गेंदबाज हैं और पिछले 18 महीनों में उन्होंने वास्तव में कड़ी मेहनत की है। जब मैं उनके आंकड़े देखता तो पाता हूं कि वह बाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए कितने घातक है। उनके पास बाएं हाथ के बल्लेबाजों की विकेट लेने की विशेष कला है। ब्रॉड ने तीसरे टेस्ट में इसे दिखाया भी और विंडीज की पहली पारी में छह विकेट चटकाए। दूसरी पारी में भी उन्होंने विंडीज के तीन विकेट चटकाकर टेस्ट क्रिकेट में अपने 500 विकेट पूरे कर लिए।

स्टुअर्ट ब्रॉड के 500 विकेट पूरे इन बड़े रिकॉर्ड्स में हुए शामिल

नई दिल्ली ।

इंगलैंड के तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने आखिरकार वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे मैच में ब्रेथवेट का विकेट लेते ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 500 विकेट पूरे कर लिए। दूसरी पारी में गेंदबाजी से पहले ब्रॉड के नाम 497 विकेट थे। उन्होंने विंडीज की दूसरी पारी में पहले तीन विकेट चटकाकर यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। ब्रॉड ने पहली पारी में भी छह विकेट हासिल किए थे। ब्रॉड ने इसके साथ ही विंडीज दिग्गज कर्टनी वॉल्श का एक रिकॉर्ड भी तोड़ा। देखें रिकॉर्ड्स-

500 विकेट लिए गए फेंकी गई बॉल्स

25,528 ग्लेन मैक्ग्रा
28,150 जेम्स एंडरसन
28,430 स्टुअर्ट ब्रॉड
28,833 कर्टनी वॉल्श
29,511 मुथैया मुरलीधरन
30,200 शेन वार्न
32,959 अनिल कुंबले

स्टुअर्ट ब्रॉड के विकेट

पहला - चमिंडा वास
100 वां - प्रसन्ना जयवर्धने
200 वां - क्रिस रोजर्स
300 वां - स्टीव स्मिथ
400 वीं - बीजे वाटलिंग
500 वां - क्रेग ब्रैथवेट

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट

800 मुथैया मुरलीधरन (अंतिम विकेट : एम कास्प्रोविज़)
708 शेन वार्न (अंतिम विकेट : एच तिलकरत्ने)
619 अनिल कुंबले (अंतिम विकेट - एस हार्मिसन)
589 जेम्स एंडरसन (अंतिम विकेट : के ब्रैथवेट)
563 ग्लेन मैक्ग्रा (अंतिम विकेट : एम ट्रेस्कोथिक)
519 कर्टनी वाल्श (अंतिम विकेट जे कैलिस)
500 स्टुअर्ट ब्रॉड (अंतिम विकेट = के ब्रैथवेट)

500 विकेट लिए गए टेस्ट

87 मुथैया मुरलीधरन
105 अनिल कुंबले
101 शेन वार्न
101 शेन वार्न
110 ग्लेन मैकग्राथ
129 कर्टनी वाल्श / जेम्स एंडरसन
140 स्टुअर्ट ब्रॉड ।

कॉनकाकैफ ने विश्व कप क्वालीफाईंग के लिये छह के बजाय आठ टीमों को प्रारुप बनाया

न्यूयार्क।

उत्तर, मध्य अमेरिका और कैरेबियाई फुटबॉल संघों के परिसंघ (कॉनकाकैफ) ने कोरोना वायरस महामारी और अगले जून तक शुरुआत न हो पाने के कारण अपने विश्व कप क्वालीफाईंग प्रारूप में बदलाव करके इसे छह के बजाय आठ टीमों का प्रारूप बना दिया है। कॉनकाकैफ ने सोमवार को घोषणा की कि अमेरिका, मैक्सिको, कोस्टारिका, जमैका और होंडुरास को बाई दी गयी है और वे सीधे आठ टीमों के प्रारूप में प्रवेश करेगी। कॉनकाकैफ के अन्य 30 देश अंतिम दौर के तीन अन्य स्थानों के लिए आपस में मुकाबला करेंगे। आठ टीमों का प्रारूप अगले साल जून से शुरू होगा। इसमें प्रत्येक टीम जून में फीफा अंतरराष्ट्रीय मैच विंडो में चार मैच खेलेगी। इसके बाद सितंबर, अक्टूबर और नवंबर 2021 तथा जनवरी और मार्च 2022 में दो - दो मैच खेलेगी। इन आठ टीमों में शीर्ष तीन पर रहने वाली टीमें कतर में 2022 में होने वाले टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश करेंगी जबकि चौथे स्थान पर रहने वाली टीम अंतरमहाद्वीपीय प्लेऑफ में भाग लेगी। आठ टीमों में जगह बनाने के लिये शुरुआती मुकाबले सितंबर से शुरू हो जाएंगे।

कोरोना के कारण भविष्य पर पुनर्विचार कर सकते हैं वार्नर, कहा- परिवार से दूर रहना मुश्किल होगा

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा कि उन्हें कोविड-19 प्रतिबंधों को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर के तौर पर अपने भविष्य को लेकर पुनर्विचार करना होगा। कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण खिलाड़ियों को पृथकवास की कड़ी शर्तों को पूरा करने के लिए अपने परिवार के बिना यात्रा करनी होगी। गेंद से छेड़छाड़ के कारण एक साल का प्रतिबंध झेलने के बाद सफल वापसी करने वाले वार्नर के परिवार में पत्नी कैंडाइस और तीन बेटियां हैं। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि परिवार से दूर रहना आसान नहीं होगा। वार्नर ने कहा, 'निश्चित तौर पर तीनों बेटियां और मेरी पत्नी मेरे करियर का अहम हिस्सा हैं। आपको हमेशा सबसे पहले अपने परिवार के बारे में सोचना होता है तथा क्रिकेट और इस अप्रत्याशित समय में आपको इन फैसलों को महत्व देना होता है। उन्होंने कहा, 'देखिए अभी मैं इसके लिए (करियर जारी रखने) प्रयास करता रहूंगा। इस बार टी20 (विश्व कप) स्वदेश में नहीं हो रहा। उसे यहां खेलना और खिताब जीतना आदर्श होता। अब उसे स्थगित कर दिया गया है। जब भारत में इसका आयोजन होगा तो मुझे इस बारे में फिर से विचार करना होगा। वार्नर कहा, 'मुझे अपनी स्थिति का आकलन करना होगा और क्या बेटियां स्कूल जा रही हैं। इनमें से बहुत कुछ मेरे फैसले का हिस्सा हैं। यह केवल इससे नहीं जुड़ा है कि मैच कब खेले जाएंगे या कितनी क्रिकेट खेली जाएगी। यह मेरे लिए बड़ा पारिवारिक फैसला है। इस महामारी के बीच क्रिकेट की वापसी की दिशा में कुछ कदम उठाए गए हैं। संक्रमण से बचने के लिए पृथकवास के नियम बनाए गए हैं और जैव सुरक्षित वातावरण तैयार किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में क्रिकेटरों के पास अपने प्रांतों में अभ्यास करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं हैं। विक्टोरिया में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए वार्नर को लगता है कि यह प्रांत बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच सहित अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी गंवा सकता है। उन्होंने कहा, 'यह सभी के लिये चुनौतीपूर्ण है। हमने प्रांतीय क्रिकेट के बारे में बात की। यह सटीक उदाहरण है। क्या विक्टोरिया शैफील्ड शील्ड क्रिकेट मैचों का आयोजन करने में सफल रहेगा। मुझे वर्तमान परिस्थितियों में यह असंभव लगता है। वार्नर अफगानिस्तान और भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले लाल गेंद से अभ्यास के बहुत कम मौके मिलने से भी चिंतित हैं क्योंकि इससे पहले टीम को सीमित ओवरों के अधिक मैच खेलने हैं। आस्ट्रेलिया को सितंबर में इंग्लैंड दौरे पर जाना है। इसके बाद वार्नर और कुछ अन्य खिलाड़ी आईपीएल में खेलेंगे और फिर उनकी टीम को अफगानिस्तान और भारत की मेजबानी करनी है। उन्होंने कहा, 'अमूमन आप स्वदेश में टेस्ट श्रृंखला से पहले शैफील्ड शील्ड में दो तीन मैच खेलना पसंद करते हो। इसलिए मुझे लगता है कि भारतीय टीम और हमारी एक जैसी स्थिति होगी। हमारी तैयारियों में लाल गेंद की क्रिकेट शामिल नहीं होगी और ऐसे में टेस्ट श्रृंखला से पहले हमें अभ्यास को अधिक समय देना होगा।

जमीन मिलने के बाद भी अयोध्या में क्यों फीका पड़ा मस्जिद के लिए जोश?

नेशनल डेस्क।

अयोध्या में आगामी पांच अगस्त को राम मंदिर के भूमि पूजन की जोर-शोर से तैयारियों के बीच राम नगरी में मस्जिद के निर्माण से जुड़ी गतिविधियां फिलहाल ठंडी पड़ी हैं। विवादित स्थल पर मालिकाना हक से जुड़े मुकदमे में प्रमुख मुस्लिम पक्षकार रहे उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड को उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर सरकार द्वारा पांच एकड़ जमीन जरूर आवंटित कर दी गई है, लेकिन अभी औपचारिकताएं पूरी होने में कुछ कसर बाकी रह गई है। इसके अलावा आवंटित जमीन पर मस्जिद, रिसर्च सेंटर तथा अन्य के निर्माण से संबंधित फैसले लेने के लिए गठित होने वाला ट्रस्ट भी अभी नहीं बन पाया है। बोर्ड के अध्यक्ष जुफर अहमद फारुकी ने बताया कि सरकार ने उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर अयोध्या जिले में सोहावल तहसील के धुन्नीपुर गांव में पांच एकड़ जमीन आवंटित तो कर दी है, लेकिन लॉकडाउन की वजह से औपचारिकताएं पूरी होने में कुछ कसर बाकी रह गई है। फारुकी ने बताया कि बोर्ड को मिली जमीन पर मस्जिद, इंडो इस्लामिक रिसर्च सेंटर, अस्पताल तथा लाइब्रेरी के निर्माण के सिलसिले में गठित होने वाला ट्रस्ट अभी बन नहीं पाया है। इसमें 15 सदस्य होंगे, जिनमें से बमुश्किल 8 सदस्यों के नाम ही तय हो पाए हैं। हालांकि उन्होंने इन सदस्यों के नाम अभी बताने से इंकार कर दिया। बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि ट्रस्ट में ऐसे लोगों को रखा जाएगा जो प्रगतिशील सोच के हों और मस्जिद तथा अन्य निर्माण कार्यों के लिए संसाधन जुटा सकें। उम्मीद है कि ट्रस्ट का गठन अयोध्या में राम मंदिर के भूमि पूजन के बाद हो सकेगा। इस सवाल पर कि क्या ट्रस्ट में शामिल होने के प्रति मुस्लिम समाज में कम दिलचस्पी है, उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के सिलसिले में अभी ज्यादा लोगों से संपर्क नहीं किया गया है। बहरहाल, एक बात तो तय है कि मंदिर-मस्जिद मुद्दे में दोनों तरफ से सियासत हो रही थी। उच्चतम न्यायालय का फैसला आने के बाद वह ठंडी पड़ गई है। इस सवाल पर कि मस्जिद, इस्लामिक रिसर्च सेंटर, अस्पताल और लाइब्रेरी के निर्माण के लिए संसाधन जुटाने के मामले पर क्या उन्हें ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड या अन्य किसी प्रमुख मुस्लिम संगठन का सहयोग मिलने की उम्मीद है, फारूकी ने कहा कि उन्हें ऐसा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड जिसमें जमीयत उलेमा ए हिंद तथा अन्य प्रमुख मुस्लिम संगठन भी शामिल हैं, ने पहले ही एलान कर दिया था कि वह बाबरी मस्जिद के एवज में किसी और जगह पर जमीन नहीं लेगा, लिहाजा उन्हें उम्मीद नहीं है कि उस पांच एकड़ जमीन पर होने वाले निर्माण में इन संगठनों से कोई मदद मिल पाएगी। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 9 नवंबर को अपने ऐतिहासिक फैसले में अयोध्या के विवादित स्थल पर राम मंदिर का निर्माण करने और मुसलमानों को अयोध्या में ही किसी प्रमुख स्थान पर मस्जिद के निर्माण के लिए 5 एकड़ जमीन देने के आदेश दिए थे।

इसके अनुपालन में सुन्नी वक्फ बोर्ड को पिछली फरवरी में अयोध्या की सोहावल तहसील स्थित धुन्नीपुर गांव में जमीन आवंटित की गई थी।

दिल्ली की हवा के लिए वरदान बना था लॉकडाउन

नेशनल डेस्क।

संयुक्त राष्ट्र की एक नीति के सार में कहा गया कि नयी दिल्ली में कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर 70 प्रतिशत से अधिक घट गया। इसमें आगाह किया कि अगर वायु प्रदूषण को रोकने की नीति अपनाए बिना और कार्बन कम करने को बढ़ावा दिए बिना अगर शहर फिर से खुलते हैं तो पर्यावरणीय लिहाज से हुए लाभ अस्थायी रह जाएंगे। 'शहरी दुनिया में कोविड-19% पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के नीति सार (पॉलिसी ब्रीफ) में कहा गया कि कोविड-19 के अनुमानित 90 प्रतिशत मामलों में, शहरी इलाके वैश्विक महामारी के केंद्र बन गए हैं। इसने इस बात का भी इशारा किया कि कई नये वैज्ञानिक अध्ययन दिखाते हैं कि खराब वायु गुणवत्ता का कोविड-19 की अधिक मृत्यु दर से सह संबंध है। शहरी इलाकों की आबादी और वैश्विक एवं स्थानीय अंतरसंपर्क का उच्च स्तर वायरस के प्रसार के प्रति उन्हें संवेदनशील बनाता है। सार में कहा गया कि वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशों द्वारा उनकी अर्थव्यवस्था को विराम देने के दौरान प्रदूषण एवं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन भले ही काफी घट गया हो लेकिन ये पर्यावरणीय लाभ अस्थायी हो सकते हैं अगर अर्थव्यवस्थाओं को फिर से खोलते वक्त वायु प्रदूषण को रोकने और कार्बन कम करने के कार्य को बढ़ावा देने की नीति नहीं अपनाई जाती है। सार में कहा गया कि लॉकडाउन के दौरान नयी दिल्ली में नाइट्रोजन डाइऑक्साइड का स्तर 70 प्रतिशत, चीन के शरहरी इलाकों में 40 प्रतिशत, बेल्जियम और जर्मनी में 20 प्रतिशत और अमेरिका के विभिन्न इलाकों में 19-40 प्रतिशत तक कम हुआ। इसमें कहा गया कि अति सूक्ष्म कणों (पर्टिकुलेट मैटर) में मामूली बढ़ोतरी अमेरिका और नीदरलैंड्स में मृत्यु दरों में क्रमशः आठ प्रतिशत और 21.4 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी से जुड़ा हुआ है। नये साक्ष्य गर्भवती महिला और नवजात शिशुओं के साथ ही मातृत्व मृत्यु दर पर प्रभाव को भी दर्शाते हैं खासकर उन आबादी के बीच जो हाशिए पर रहने के कारण पहले से ही सामाजिक-आर्थिक तनाव में हैं।

अनौपचारिक बस्तियों में कोविड-19 प्रकोप पर, सार में कहा गया कि मुंबई में, मध्य अप्रैल 2020 तक, 30 प्रतिशत निर्धारित निरुद्ध क्षेत्र झुग्गी बस्तियों में थे जबकि 60 प्रतिशत क्षेत्र अनौपचारिक बस्तियों के 100 मीटर के दायरे में थे। अपने संदेश में, संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि शहरी इलाके कोविड-19 वैश्विक महामारी के ग्राउंड जीरो थे जहां से 90 प्रतिशत मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि शहर संकट का दंश झेल रहे हैं - जिनमें से कई की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं बोझ तले दबी हैं।

बाज नहीं आ रहा पाकिस्तान, लगातार 8वें दिन एलऔसी पर किया सीजफायर का उल्लंघन

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास के अग्रिम इलाकों में पाकिस्तानी सेना ने भारी गोलीबारी की और मोर्टार दागे जिसपर भारतीय सेना ने भी जवाबी प्रभावी कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तान ने मंगलवार को लगातार आठवें दिन भी संघर्षविराम का उल्लंघन किया। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तानी सैनिकों ने 20 से अधिक बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया। रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि आज सुबह लगभग 10 बजे पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी उकसावे के नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर में छोटे हथियारों से भारी गोलाबारी की तथा मोर्टार दागे। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना उन्हें मुंहतोड़ जवाब दे रही है। पाकिस्तानी सेना ने पुंछ जिले के ही मनकोट और मेंढर सेक्टर के अग्रिम इलाकों और कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गोलाबारी की। इस गोलीबारी में एक मवेशी घायल हो गया एवं एक मकान को नुकसान पहुंचा। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी सैनिकों ने एलओसी से लगे राजौरी और पुंछ जिलों के अग्रिम इलाकों में गत मंगलवार, बुधवार, बृहस्पतिवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को भी गोलेबारी की थी।

कोरोना को लेकर इस इस राज्य ने दिखाई सख्ती, बिना मास्क पहने घर से निकलने पर देना होगा भारी जुर्माना

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने राज्य में मास्क नहीं पहनने और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने के लिए जुर्माना बढ़ा कर 200 रुपये से 500 रुपए कर दिया। राज्य सरकार ने एक बयान जारी कर बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने मंगलवार को यह निर्णय लिया। बयान में कहा गया है कि अहमदाबाद और सूरत नगर निगम के तहत आने वाले क्षेत्रों जैसे कुछ इलाकों को छोड़कर सरकार ने सार्वजनिक स्थानों पर मास्क नपहनने पर 200 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया था जिसे बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है जो एक अगस्त से प्रभावी होगा। पहनने पर 200 रुपये का जुर्माना निर्धारित किया था जिसे बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है जो एक अगस्त से प्रभावी होगा। अहमदाबाद और सूरत नगरपालिका के तहत आने वाले क्षेत्रों में मास्क नहीं पहनने पर पहले से ही 500 रुपये के जुर्माने प्रावधान है। सोमवार को गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,052 नए मामले सामने आए जिससे पूरे राज्य में संक्रमण का आंकड़ा 56,874 पहुंच गया। राज्य में संक्रमण के कारण अब तक कुल 2,348 लोगों की मौत हो चुकी है।

एमपी में स्वास्थ्य विभाग के दावों की पोल खोलती तस्वीर, 3 घंटे तक सड़क पर पड़ा रहा कोरोना पेशेंट

भोपाल।

राजधानी भोपाल में सिस्टम की नाकामी और स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते शर्मसार करती तस्वीरें सामने आई हैं। खास बात यह कि ये तस्वीर ऐसे समय में वायरल हो रही है जब कोरोना संक्रमण के खिलाफ जंग एक गांव, शहर या राज्य ही नहीं बल्कि पूरा देश-दुनिया शिद्दत से लड़ रहा है। मामला भोपाल के बैरागढ़ का है जहां कोविड पॉजिटिव होने की रिपोर्ट आने के बाद एक व्यक्ति 2 घंटे एंबुलेंस का इंतजार करता है और जब एंबुलेंस नहीं आई तो पैदल ही अस्पताल के लिए निकल पड़ा। लेकिन कोरोना से स्वास्थ्य ठीक न होने की वजह से उसे चक्कर आया है और वह सड़क किनारे लेट गया। घटना के वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने इस शर्मनाक लापरवाही के लिए जांच की बात कही है। जानकारी के अनुसार, भोपाल के बैरागढ़ इलाके के रहने वाले 40 साल का व्यक्ति कई दिनों से बीमार था। उसने टेस्ट कराया तो 27 तारीख को 11 बजे उसे खबर मिली कि उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है और एंबुलेंस लेने आ रही है। घंटों इंतजार किया एंबुलेंस नहीं आई तो वह घबरा गए कि घर में घरवालों को इंफेक्शन ना हो जाए इसलिए पैदल ही चिरायु कोविड सेंटर के लिए निकल पड़े। लेकिन चिलचिलाती धूप में वह ज्यादा चल न पाया और सड़क किनारे लेट गया। इसके बावजूद भी 3 घंटे के इंतजार करने के बाद एंबुलेंस आई। लेकिन तब तक मध्य प्रदेश सरकार की सिस्टम की पोल खुल गई प्रशासन की लापरवाही सामने आ चुकी थी। यह पहली बार नहीं है जब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल की ऐसी तस्वीरों ने मध्य प्रदेश सरकार को स्वास्थ्य विभाग को शर्मसार किया हो इससे पहले भोपाल के पीपुल्स अस्पताल से कोरोना पॉजिटिव पाये गए एक व्यक्ति को चिरायु अस्पताल की एंबुलेंस में चिरायु भेजा गया,रास्ते में पेशेंट की तबीयत खराब हुई तो चिरायु अस्पताल की एम्बुलेंस कोरोना पेशेन्ट को पीपुल्स अस्पताल के कैंपस जमीन पर ही पटक कर चली गई।

बाघ की गणना पर रिपोर्ट जारी, दुनिया के 70 फीसदी बाघ भारत में

नेशनल डेस्क।

देश में बाघों की संख्या सालाना छह प्रतिशत की औसत दर से बढ़ रही है और चार में से तीन भौगोलिक क्षेत्रों में वर्ष 2006 की तुलना में बाघों की संख्या 2018 में दोगुने से अधिक हो गई है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने मंगलवार को यहां एक कार्यक्रम में वर्ष 2018 की बाघों की गणना पर विस्तृत रिपोर्ट जारी की। दरअसल 29 जुलाई को है और उससे एक दिन पहले यह रिपोर्ट जारी की गई है। जावड़ेकर ने कहा कि बाघों की बढ़ती संख्या इस बात का संकेत है कि हमारी प्रकृति ठीक है। साल 2018 की गणना के अनुसार देश में 2,967 बाघ हैं। दुनिया के 70 फीसदी बाघ भारत में हैं। इनके अलावा 500 शेर, 30 हजार हाथी और एक सींग वाले तीन हजार गैंडे भी अपने देश में हैं जो हमारी 'सॉफ्ट पावर के प्रतीक हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि जो इलाके वर्ष 2006 से लगातार हर बाघ सर्वेक्षण का हिस्सा रहे हैं, उनमें बाघों की संख्या सालाना छह प्रतिशत की दर से बढ़ी है। शिवालिक की पहाड़ियों और गंगा के मैदानी भागों में बाघों की संख्या इन 12 वर्षों में 297 से बढ़कर 646 हो गई है। पश्चिमी घाट क्षेत्र में यह 402 से बढ़कर 981 और पूर्वोत्तर के पहाड़ों तथा ब्रह्मपुत्र नदी के मैदानी इलाकों में 100 से बढ़कर 219 हो गई है। इस प्रकार इन तीनों क्षेत्रों में बाघों की संख्या दुगुने से अधिक हुई है। इस दौरान मध्य भारत और पूर्वी घाट में इनकी संख्या 601 से बढ़कर 1,033 पर पहुंच गई है।

कर्नाटक के मंत्री की अस्पताल को चेतावनी-कोरोना मरीज को बेड नहीं दिया तो रोक देंगे बिजली-पानी की सप्लाई

नेशनल डेस्क।

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच अब अस्पतालों में बेड को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। दरअसल कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के कारण अस्पतालों में बेड कम पड़ने लगे हैं। इसी के चलते प्रशासन को ज्यादा से ज्यादा बेड की व्यवस्था करने को कहा गया है। वहीं बेड की व्यवस्था करने के चक्कर में कर्नाटक सरकार में शहरी विकास मंत्री बृती बसवराज ने एक अस्पताल को चेतावनी तक दे दी कि अगर अस्पताल सरकार का सहयोग नहीं करेंगे और 50

प्रतिशत बेड कोरोना मरीजों के लिए नहीं देंगे तो उनकी बिजली और पानी की सप्लाई रोक दी जाएगी। मंत्री बृती बसवराज ने मणिपाल हॉस्पिटल (व्हाइटफील्ड) के सीईओ अरनब मंडल से कहा कि उन्हें अस्पताल में कोरोना मरीजों के लिए 50 प्रतिशत बेड की जरूरत है, इस पर अस्पताल के कर्मचारियों ने मंत्री को समझाने की कोशिश की कि 50 फीसदी बेड देना होगा। यह सुनते ही बसवरज ने अस्पताल को चेतावनी दी कि अगर उन्होंने बेड नहीं दिया।

देश में करोना से हुई कुल मौतों का 63.75 प्रतिशत महाराष्ट्र, दिल्ली-तमिलनाडु में

नई दिल्ली।

कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण से महाराष्ट्र, दिल्ली और तमिलनाडु में अब तक 21307 मरीजों की मौत हुई है, जो देश में इस जानलेवा विषाणु से अब तक हुई कुल मौतों का 63.74 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में इस महामारी से जहां अब तक 13883 मरीजों की जान गई है, वहीं दिल्ली में 3853 और तमिलनाडु में 3571 मरीजों की मृत्यु हुई है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी किये गये आंकड़ों के मुताबिक देशभर में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 47,704 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या 14,83,157 हो गयी है। वहीं इस दौरान 654 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 33,425 हो गई है। देश में अब तक 9,52,744 लोग स्वस्थ भी हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 3,402 बढ़ी है और यहां अब 61,827 सक्रिय मामले हैं तथा मरने वालों का आंकड़ा 75 बढ़कर 1953 पर पहुंच गया है। राज्य में कुल 37,685 लोग स्वस्थ हुए हैं। आंध्र प्रदेश में 51,701 सक्रिय मामले हैं और 1090 लोगों की मौत हुई है। यहां 49,558 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में 26,204 सक्रिय मामले हैं तथा इस महामारी से 1,456 लोगों की मौत हुई है जबकि 42,833 मरीज ठीक हुए हैं। देश का पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल संक्रमण के मामले में छठे स्थान पर पहुंच गया है। राज्य में कोरोना वायरस के 19,502 सक्रिय मामले हैं तथा 1,411 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 39,917 लोग स्वस्थ हुए हैं। दक्षिण भारतीय राज्य तेलंगाना में कोरोना के 13,753 सक्रिय मामले हैं और 480 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 42,909 लोग इस महामारी से ठीक हो चुके हैं। मरीजों के बढ़ते मामले में इसके बाद बिहार का स्थान है और वहां सक्रिय मामले 13,461 हो गये हैं तथा 253 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 27,530 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। गुजरात में सक्रिय मामले 13,146 हो गये हैं तथा 2,348 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 41,380 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कोरोना महामारी की स्थिति काफी हद तक नियंत्रण में आ गयी है और यहां मरीजों की संख्या दिन ब दिन घट रही है। राजधानी में सक्रिय मामले घटकर 10,994 रह गये हैं। संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 3,853 हो गयी है तथा अब तक 1,16,372 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। कोरोना महामारी से अब तक मध्य प्रदेश में 820, जम्मू-कश्मीर में 321, पंजाब में 318, ओडिशा में 147, झारखंड में 89, असम में 86, उत्तराखंड में 66, केरल में 63, छत्तीसगढ़ में 44, पुड्डुचेरी में 43, गोवा में 36 , त्रिपुरा में 17, चंडीगढ़ और हिमाचल प्रदेश में 14 , मेघालय और नागालैंड में पांच, लद्दाख में चार , अरुणाचल प्रदेश तीन तथा दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में दो लोगों की मौत हुई है।

जन्म के 3 दिन बाद ही नवजात को हुआ कोरोना, मां से बच्चे के शरीर में पहुंचा वायरस

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के पुणे स्थित ससून अस्पताल में गर्भनाल के माध्यम से मां से बच्चे में कोरोना वायरस संक्रमण पहुंचने का देश में पहला मामला सामने आया है। डॉक्टरों ने इसे 'ऊर्ध्वाधर हस्तांतरण करार दिया है। संक्रमित मां के गर्भाशय में बच्चा होने पर वर्टिकल ट्रांसमिशन होता है और गर्भनाल के जरिए वायरस बच्चे तक पहुंच जाता है। ससून अस्पताल की बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ आरती कीनीकर ने मंगलवार को कहा कि जब कोई व्यक्ति संक्रमण का शिकार होता है तो वह मुख्य रूप से किसी ऐसी वस्तु के संपर्क में आता है जिससे संक्रमण हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि मां संक्रमित है तो प्रसव के बाद स्तनपान कराने या अन्य किसी कारण से संपर्क में आने पर बच्चा संक्रमित हो सकता है। कीनीकर ने कहा कि साधारण तरीके से समझें तो बच्चे को जन्म के समय संक्रमण नहीं होता, बल्कि तीन-चार दिन बाद हो सकता है। उन्होंने कहा कि लेकिन वर्टिकल ट्रांसमिशन का अर्थ है कि बच्चा जब गर्भाशय में है और मां संक्रमित है (उसमें लक्षण हो सकते हैं, नहीं भी हो सकते हैं) तो गर्भनाल के जरिए संक्रमण बच्चे में प्रवेश कर सकता है। डॉ कीनीकर ने कहा कि इस मामले में प्रसव से पहले मां में के लक्षण थे। उन्होंने कहा कि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने सभी गर्भवती महिलाओं की जांच करना अनिवार्य कर दिया है, इसलिए महिला की जांच हुई लेकिन उसमें कोरोना वायरस की पुष्टि नहीं हुई। डॉ कीनीकर ने कहा कि बच्ची के जन्म के बाद उसकी नाक से लिए गए म्यूकस के नमूने और गर्भनाल की जांच की गई तो उसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। डॉ आरती कीनीकर ने कहा कि नवजात को अलग वार्ड में रखा गया। जन्म के दो-तीन दिन बाद शिशु को भी बुखार जैसे लक्षण दिखने लगे।

संक्षिप्त समाचार

भूमि पूजन पर नवरत्न जड़ित वस्त्र पहनेंगे रामलला, चारों भाइयों व हनुमान जी को भी पहनाई जाएगी नई पोशाक

नेशनल डेस्क। अयोध्या में होने वाले रामलला के मंदिर के भूमि पूजन के दिन रामलला को हरे या भगवा रंग के नवरत्न जड़ित वस्त्रों को पहनाया जा सकता है।रामजन्मभूमि के पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने मंगलवार को को बताया कि रामलला को हर दिन अलग-अलग रंग के कपड़े पहनाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि 5 अगस्त को रामलला को शुभ मुहूर्त के मुताबिक हरे रंग के वस्त्र पहनाए जाते हैं लेकिन भगवान रंग के वस्त्र भी बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि किस रंग का वस्त्र रामलला को पहनाया जाएगा, इस पर विचार बाद में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भगवान राम के इन वस्त्रों में नवरत्नन जड़ा होगा। सत्येन्द्र दास ने बताया कि रामलला के लिए वस्त्रों का निर्माण और सिलाई बाबूलाल टेलर के नाम से शंकरलाल का परिवार करता रहा है। पंडित कल्कि राम द्वारा इन वस्त्रों को तैयार कराया जा रहा है वहीं भगवान राम के द्वारा तीनों भाई लक्ष्मण, भरत, शत्रुहन के साथ-साथ हनुमान को भी नई पोशाक पहनाई जाएगी। बता दें कि अयोध्या में रामजन्मभूमि परिसर में 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर की आधारशिला रखेंगे।

भारतीयों की भावनाएं आहत करने वाले ट्वीट पर इसराईली पीएम के बेटे ने मांगी माफी

यरुशलम। इसराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बड़े बेटे ने भारतीयों की भावनाएं आहत करने वाले ट्वीट को लेकर हिंदुओं से माफी मांगी है। सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय 29 वर्षीय येर ने देवी दुर्गा की एक तस्वीर साझा की थी, जिनके चेहरे पर लिआत बेन अरी का चेहरा लगा था। प्रधानमंत्री नेतन्याहू के खिलाफ के भ्रष्टाचार मामले में अरी अभियोजक हैं। उनके कई हाथों को अभद्र इशारे करते हुए दिखाया गया था। येर ने ट्वीट किया, '' मैंने एक व्यंगात्मक पेज से 'मीम साझा किया था। मुझे नहीं पता था कि इस तस्वीर का हिंदू आस्था से कोई लेना-देना है। मुझे जैसे ही मेरे भारतीय दोस्तों से इसका पता चला तो मैंने ट्वीट हटा दिया। मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। येर के माफी मांगने के ''साहसिक कदम की कई लोग सराहना कर रहे हैं, तो वहीं कई लोगों ने उनके ''गैर जिम्मेदाराना व्यवहार की आलोचना की है।

रीयल लाइफ हीरो सोनू सूद ने फिर किया कमाल, सब्जी बेच रही लड़की की बदल डाली किस्मत

नेशनल डेस्क। देश में आए कोरोना संकट की घड़ी में जो एक नाम सबसे ज्यादा आया वो था बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद का। उन्होंने तो जैसे मदद की परिभाषा ही बदल डाली। सोनू सूद सिर्फ मजदूरों के लिए मसीहा बने यह कहना गलत होगा, वो हर किसी शख्स के लिए आगे आए जिसे मदद की सख्त जरूरत थी। इसी कड़ी में एक और नाम शामिल हुआ हैदराबाद की शारदा का। वैसे तो शारदा पेशे से सॉफ्टवेयर इंजीनियर है लेकिन कोरोना काल ने उसकी नौकरी छिन ली और ऐसे में उसे मजबूरी में सब्जी बेचना शुरू करना पड़ा। शारदा के संघर्ष की कहानी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई, जिसके बाद उसकी जिंदगी ही बदल गई। दरअसल एक यूजर ने वीडियो को टैग करते हुए लिखा कि डियर सोनू सूद, ये शारदा है, जिसे कोविड क्राइसिस के चलते ने नौकरी से निकाल दिया था। लेकिन हार न मानते हुए अपने परिवार का सपोर्ट करने के लिए इसने सब्जी बेचना शुरू कर दिया। प्लीज देखें, अगर आप इनकी किसी भी तरह मदद कर सकते हैं तो उम्मीद है आप जवाब देंगे। एक्टर ने भी इसका जवाब देते हुए लिखा कि मेरे अधिकारी उससे मिले, इंटरव्यू हो चुका है। जॉब लेटर भी भेजा जा चुका है. जय हिंद।

सड़क किनारे सूटकेस से निकली लड़की की लाश, बाहर मंडरा रहे थे कुत्ते

गाजियाबाद। साहिबाबाद के अर्थला इलाके में जीटी रोड के किनारे दशमेश वाटिका है। इसके बराबर में सरकारी जमीन खाली पड़ी हुई है। सोमवार को यहां सूटकेस में बंद एक युवती की लाश पड़ी देखी गई। जमीन के पास ही कबाड़े का काम करने वाले शरीफ ने बताया कि सुबह करीब 6 बजे उन्होंने सरकारी जमीन में एक सूटकेस पड़ा देखा। सूटकेस पर आवारा कुत्ते मंडरा रहे थे। पास जाकर देखा तो सूटकेस को चादर में लपेटा गया था। सूटकेस के बाहर युवती के बाल और हाथ निकला हुआ दिखाई दिया। जिसके बाद शरीफ ने यूपी.112 पर कॉल कर पुलिस को मामले की सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शी शरीफ ने बताया कि पुलिस ने उससे ही सूटकेस खुलवाया। सूटकेस के खुलने पर पुलिस और आसपास के लोग हैरत में पड़ गए। उसके अंदर एक युवती की लाश रखी हुई थी। युवती के हाथ पैर उसके ही कपड़े से बांधे गए थे। उसका मुंह नीला पड़ा हुआ था और मुंह से खून निकल रहा था। साथ ही युवती की बॉडी अकड़ी हुई थी। बामुश्किल उसके हाथ पांव सीधे किए गए। इससे पुलिस को अंदेशा है कि कुछ घंटे पूर्व युवती की कहीं और हत्या की गई और फिर शव को यहां लाकर ठिकाने लगा दिया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से युवती का शव सूटकेस से बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रत्यक्षदर्शी शरीफ का कहना है कि युवती की उम्र करीब 22 साल प्रतीत हो रही थी। उसके हाथ व पैरों में मेंहदी लगी थी। दोनों कानों में टॉप्स पहन रखे थे। लेकिन हाथों की चूड़ियां पीतल की थी। वह मध्यम परिवार से लग रही थी। लाश को देखने के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि मृतका नवविवाहिता हो सकती है। शुरुआती जांच के बाद पुलिस का कहना था कि युवती की हत्या पारिवारिक कारणों से किया जाना प्रतीत हो रहा है। मौके पर जांच के दौरान पुलिस को कार व बाइक के पहियों के निशान मिले हैं। जिससे अंदेशा है कि हत्यारोपी सूटकेस बंद लाश को गाड़ी में रखकर लाए होंगे। साथ ही अन्य आरोपी कार के साथ बाइक से आए हो होंगे। अंदेशा है कि आरोपी लाश को हिंडन नदी में ठिकाने लगाना चाहते थे, लेकिन हिंडन नदी के आसपास पुलिस से सामना होने पर उन्होंने लाश को खाली पड़ी सरकारी जमीन में ही फेंक दिया और फरार हो गए। पुलिस की फॉरेंसिक टीम ने मौके से कुछ साक्ष्य जुटाए हैं। जिनके आधार पर जांच की जा रही है। मौके का निरीक्षण करने पहुंचे एसएसपी चूंकि मामला युवती की हत्या और लाश को सूटकेस में बंद कर ठिकाने लगाने का था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने कनाडा-ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ हांगकांग प्रत्यर्पण संधि की रद्द

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन ने मंगलवार को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के साथ हांगकांग प्रत्यर्पण संधि रद्द करने घोषणा की। चीन ने इस विवादास्पद नए सुरक्षा कानून पर इन तीनों देशों द्वारा इसी तरह के प्रत्यर्पण संधि रद्द करने के फैसले के बाद यह कड़ा कदम उठाया है। कनाडा, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया फाइव आइज़ खुफिया गठबंधन का हिस्सा हैं। अन्य सदस्य न्यूजीलैंड हैं, जिन्होंने मंगलवार को पहले हांगकांग के साथ अपनी प्रत्यर्पण संधि को निलंबित कर दिया था, और संयुक्त राज्य अमेरिका, ने संकेत दिया है कि वह ऐसा करने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने मंगलवार को कहा कि न्यूजीलैंड ने हांगकांग के साथ अपनी प्रत्यर्पण संधि को निलंबित कर दिया है और चीन द्वारा द्वीप लिए एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून पारित करने के फैसले के बाद कई अन्य बदलाव भी किए हैं। पीटर्स ने एक बयान में कहा, न्यूजीलैंड अब भरोसा नहीं कर सकता है कि हांगकांग की आपराधिक न्याय प्रणाली चीन से पर्याप्त रूप से स्वतंत्र है। अगर भविष्य में चीन एक देश, दो व्यवस्था का पालन करता है तो हम इस निर्णय पर पुनर्विचार कर सकते हैं। हांगकांग के निवासियों और पश्चिमी देशों के विरोध के बावजूद बीजिंग ने इस महीने की शुरुआत में पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश पर नया कानून लागू किया और वैश्विक वित्तीय केंद्र पर अधिक सत्तावादी शासन तंत्र की स्थापना की दिशा में बढ़ रहा है। ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन ने इस महीने की शुरुआत में हांगकांग के साथ प्रत्यर्पण संधियों को निलंबित कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने हांगकांग के लिए विशेष आर्थिक सुविधाओं को समाप्त कर दिया है। पीटर्स ने कहा कि न्यूजीलैंड सैनिक और दोहरे उपयोग वाले सामानों और प्रौद्योगिकी के निर्यात पर हांगकांग के साथ उसी तरह से व्यवहार करेगा, जैसा कि वह चीन के साथ करता है। हांगकांग के साथ अपने समग्र संबंधों की समीक्षा के तहत न्यूजीलैंड इस तरह के कड़े कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के नए सुरक्षा कानून द्वारा प्रस्तुत जोखिमों के प्रति सतर्क रहने के लिए यात्रा सलाह को नये सिरे से जारी किया।

चीन के रहस्यमयी बीज पैकेटों को लेकर अमेरिका में वार्निंग ऑर्डर जारी, सुरक्षा एजेंसियां सतर्क

वाशिंगटन।

चीन की भूमिका दिन प्रतिदिन पूरे विश्व में संदेहजनक होती जा रही है। चीन द्वारा अमेरिका के विभिन्न शहरों में रहस्यमयी बीजों के पैकेट भेजने के मामलों की अभी जांच ही चल रही है कि अब अन्य किस्म के पैकेट भी चीन द्वारा यहां लोगों के घरों में भेजे जाने लगे हैं। यहां मिली जानकारी के अनुसार चीन से आए रहस्यमयी बीज पैकेटों को लेकर अमेरिका के विभिन्न राज्यों में वार्निंग ऑर्डर भी जारी हो चुके हैं। उल्लेखनीय है कि पंजाब केसरी में समाचार प्रकाशित होने के बाद इस खबर का असर जहां भारत में हुआ वहीं अमेरिका में भी इस समाचार को गंभीरता से लेते हुए लोगों से अपील की गई कि चीन से बिना ऑर्डर के पैकेट आने की सूचना तुरंत पुलिस को दी जाए। इन पैकेटों के संबंध में सुरक्षा एजेंसियां पता लगाने में जुटी हैं कि ऐसा क्यों किया जा रहा है। चीन की भूमिका के संबंध में भी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं। आज अमेरिका में पंजाब केसरी संवाददाता के निवास स्थान पर भी एक अजीब किस्म का पैकेट आया जो चीन से भेजा गया था। जब इस पैकेट को पूरी सावधानी के साथ खोला गया तो उसमें महिलाओं के बालों पर लगाए जाने वाले हेयरबैंड व अन्य कपड़े निकले। यह पैकेट संवाददाता के बेटे देवांग जोशी के नाम से आया था।बिना ऑर्डर के आए पैकेट की सूचना पुलिस को दी गई तो पुलिस ने पैकेट को कब्जे लेकर अपनी जांच कार्यवाही शुरू कर दी। स पुलिस ने बताया कि उसके पास लोगों के फोन आ रहे है कि लोगों के घरों में पहले अजीब किस्म के चीन से बीज पैकेट के बाद अब कपड़े तथा अन्य चीन में बने सामान के पैकेट लोगों के घरों में पहुंच रहे हैं।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर लोगों के घरों में चीन की तरफ से भेजा गया पैकेट आता है तो उसे गंभीरता से लेते हुए मत खोलें। पैकेट मिलने की सूचना तुरंत पुलिस को दें। अमेरिका के कई राज्यों में लगातार चीन के एड्रेस से प्रेषित पैकेट पहुंचने की जानकरियां मिल रही हैं। बॉस्टन में चेन ऑफ़ रेस्टोरेंट के मालिक जसबीर सैनी जो भारतीय मूल के हैं।

5वीं शादी रचाने वाले 103 साल के बुजुर्ग ने कोरोना को दी मात, ठीक होकर लौटे घर

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान में 5 शादियां कर चुके एक 103 वर्ष के बुजुर्ग ने कोरोना वायरस को मात देकर इच्छाशक्ति की मिसाल पेश की है। ये शख्स दुनिया में इस वायरस से संक्रमित होने वाले और उससे ठीक होने पहले सबसे बड़ी उम्र के बुजुर्ग हैं। उनका इलाज करने वाले डॉक्टर और उनके परिवार के सदस्यों का कहना है कि पाकिस्तान की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के बीच अजीज अब्दुल अलीम नाम के बुजुर्ग का दुरुस्त होकर घर लौटना अपने आप में एक बड़ी बात है। अजीज जुलाई माह की शुरूआत में कोरोना पॉजिटिव होने के बाद इमरजेंसी रेस्पांस सेंस्टर में दाखिल कराए गए थे। वे पूरी तरह से ठीक होने के बाद पिछले सप्ताह घर वापस लौटे। अजीज पर्वतीय जिला चित्राल के गांव के निवासी हैं। उनका गांव चीन और अफगानिस्तान के बॉर्डर के पास पड़ता है। अजीज के बेटे सोहैल अहमद ने बताया कि उशके पिता को जब कोरोना हुआ तो उनकी उम्र को देखते हुए सभी पारिवारिक लोग बहुत परेशान हो गए। हालांकि, अब उनको लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है। अहमद ने कहा कि मेरे पिता का मानना है कि उन्होंने जिंदगी में बहुत बड़ी-बड़ी मुसीबतें देखीं हैं इसलिए उसे कोरोना वायरस डरा नहीं सकता। हालांकि हॉस्पिटल से लौटने के बाद अजीज ने आइसोलेशन में रहने के सुझाव को मानने से इंकार कर दिया।

कोरोना वायरस पर बोले ट्रंप- 2 सप्ताह के भीतर देंगे गुड न्यूज

वाशिंगटन।

पूरी दुनिया कोरोना वायरस के संकट से बेहाल है। विश्व के कई देश इसकी वैक्सीन बननाने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका इस रेस में खुद को सबसे आगे बता रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि उनका प्रशासन अगले दो सप्ताह के भीतर कोरना संक्रमण के इलाज और मेडिकल प्रक्रिया से जुड़ी अच्छी खबर देगा। अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना वैक्सीन विकसित कर रही है जिसका अंतिम ट्रायल शुरू हो चुका है। अमेरिकी सरकार के बायोमेडिकल एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इसके लिए कंपनी को आर्थिक मदद भी दी है। राष्ट्रपति ने कहा, थेराप्यूटिक्स का जहां तक सवाल है अगले कुछ हफ्ते के भीतर हमारे पास कुछ बेहतर होगा, बहुत अच्छी चीजें होंगी जिसका मैं ऐलान करूंगा।

इससे पहले सोमवार को, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ ने एक प्रेस रिलीज में बताया कि अमेरिकी वैज्ञानिकों ने बायोटेक्नॉलोजी कंपनी मॉडर्ना द्वारा विकसित संभावित कोविड-19 वैक्सीन के तीसरे चरण का ट्रायल शुरू कर दिया है। योजना लगभग 30,000 वॉलंटियर्स पर वैक्सीन पर ट्रायल करने की है जिन्हें कोवि-19 नहीं है। इससे पहले फ्लोरिडा में एक इवेंट के दौरान उप राष्ट्रपति माइक पेंस ने कहा कि वैक्सीन काफी बेहतर होंगी जो इस साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में विकसित हो जाएंगी।

अमेरिका की जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी द्वारा जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, अब तक अमेरिका में कोविड-19 से सक्रमित मामलों की संख्या 42 लाख से अधिक है वहीं मरने वालों का आंकड़ा 1 लाख 46 हजार के पार हो गया है।

अमेरिकी राजदूत के लिए जी का जंजाल बनी मूंछें, अब देनी पड़ी कुर्बानी

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिण कोरिया में अमेरिकी राजदूत ने यह कहते हुए अपनी मूंछें मुड़वा ली हैं कि भीषण गर्मी में कोरोना वायरस से बचने के लिए मास्क लगाने के साथ मूंछें रखने में परेशानी हो रही थी। हैरी हैरिस की मूंछें मीडिया और ऑनलाइन टिप्पणी करने वालों के बीच चर्चा का विषय रही हैं । अमेरिकी राजदूत की मूंछों की तुलना क्रूर जापानी औपनिवेशिक शासकों से की गई थी जिन्होंने कोरियाई प्रायद्वीप पर 1910 से 1945 तक शासन किया था। हैरिस नौसेना से सेवानिवृत्त एडमिरल हैं और उन्हें जुलाई 2018 में राजदूत बनाया गया था। जनवरी में हैरिस ने स्वीकार किया था कि यहां के लोगों में उनकी मूंछों को लेकर दिलचस्पी है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी जातीय पृष्ठभूमि की जापानी-अमेरिकी के रूप में आलोचना की जा रही है। हैरिस ने सियोल में एक नाई की दुकान से लौटने के बाद शनिवार को ट्वीट किया कि मुझे खुशी है कि मैंने ऐसा किया। उन्होंने लिखा कि मुझे मास्क और मूंछ में से एक को चुनना था। उन्होंने लिखा कि मुझे मास्क और मूंछ में से एक को चुनना था। सियोल में बहुत गर्मी और उमस है। कोविड संबंधी दिशा-निर्देश का पालन करना आवश्यक है और मैंने मास्क लगा लिया है।

संरा मिशन ने अफगानिस्तान में सिखों के खिलाफ आतंकी हमलों के दस्तावेज किए तैयार

संयुक्त राष्ट्र।

अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सिख समुदाय और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक आंतकवादियों द्वारा किए गए हमलों का दस्तावेज तैयार किया है और कहा कि युद्धग्रस्त देश में 2020 की पहली छमाही में 3,400 से अधिक नागरिक हताहत हुए हैं। अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की 'प्रोटेक्शन ऑफ सिविलियन इन आर्म्ड कॉन्फ्लिक्ट मध्य वर्ष रिपोर्ट में कहा कि 2020 की पहली छमाही में अफगानिस्तान में नागरिकों पर हिंसा के स्तर में उतार-चढ़ाव देखा गया। इस दौरान 3,458 नागरिक हताहत हुए, जिनमें से 1282 लोग मारे गए औ 2176 घायल हुए हैं । रिपोर्ट में कहा गया है, '' यूएनएएमए अफगानिस्तान में 'इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड लेवेंट -खोरासन प्रोवेंस (आईएसआईएल-केपी) द्वारा सिख और शिया मुस्लिम आबादी पर किए हमलों का अकलन भी कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि 3,458 लोगों के हताहत होने के आंकड़े 2019 की पहली छमाही के आंकड़ों की तुलना में 13 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तालिबान और अफगान राष्ट्रीय सुरक्षा बलों की वजह से नागरिकों के हताहत होने की संख्या में कमी नहीं आई है और इसका मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय सैन्य बलों और आईएसआईएल-के प्रांत में कम अभियान चलाना है। यूएनएएमए

ने अपनी रिपोर्ट में सरकार विरोधी तत्वों (एजीई) को भी इस हिंसा के जिम्मेदार ठहराया है। उसका कहना है कि 58 प्रतिशत नागरिक एजीई द्वारा अंजाम दी गई हिंसा में हताहत हुए, जिनमें से 580 लोगों की मौत और 893 के घायल होने के लिए तालिबान जिम्मेदार हैं।

अफगानिस्तान में पाक सेना के खिलाफ फूटा गुस्सा, सड़कों पर उतरे लोग

इंटरनेशनल डेस्क।

अफगानिस्तान में पाकिस्तान की ज्यादतियों के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ता जा रहा है। पाक द्वारा किए जा रहे लगातार रॉकेट हमलों और गोलीबारी के विरोध में खोस्त क्षेत्र के लोग सड़कों पर उतर आए हैं। आतंकवाद के पनाहगाह बने पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी कर रहे लोगों ने अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी से मांग की कि वह पाक के खिलाफ जंग का ऐलान करें। दरअसल, पाकिस्तान अफगानिस्तान के खोस्त, नानगरहर और कुनार जैसे इलाकों में लगातार गोलीबारी कर रहा है, जिसके चलते लोगों में जमकर आक्रोश है। अफगानिस्तान के खोसा (खोस्त) नागरिकों का कहना है कि पाकिस्तान आतंकवाद प्रायोजित देश हैलिहाजा इसे आतंकवादी देश घोषित किया जाए। लोगों ने कहा कि अफगानिस्तान को तबाह होने के लिए पाकिस्तानी आतंकियों और वहां की सेना के हवाले नहीं किया जाएगा। आतंकवाद का मनगढंत आरोप लगाकर बलूचिस्तान और अन्य इलाकों में अफगान नागरिकों पर कहर ढहा रहा है और उनको कुचलने की कोशिश में जुटा हुआ है। इसके अलावा अफगानिस्तान के खोस्त नानगहर और कुनार में रॉकेट एवं मिसाइलें दागने के साथ ही जमकर गोलीबारी कर रहा है। बता दें कि पाकिस्तान तालिबान, लश्कर-ए-झांगवी, जैश-ए-मोहम्मद, हक्कानी नेटवर्क, जमात-उद-दावा जैसे खूंखार आतंकी संगठनों के लिए सुरक्षित पनाहगाह है।

अफगानिस्तान में सबसे ज्यादा हमला करने वाले तालिबान आतंकी संगठन को पाकिस्तान काफी अहमियत देता है। इसके जरिए उसे अफगानिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देने में मदद मिलती है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पाकिस्तान अफगानिस्तान को पूरी तरह बर्बाद करने में जुटा हुआ है।

अमेरिका-चीन तनाव चरम पर : शंघाई के करीब उड़े अमेरिकी लड़ाकू विमान, उड़े ड्रेगन के होश

बीजिंग। कोरोना वायरस और दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका-चीन के बीच तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। इस समय दोनों देशों के बीच कई मसलों पर तनाव चल रहा है। हाल ही में दोनों देशों ने एकदूसरे के दूतावास तक बंद कर दिए। इस बीच अमेरिकी नौसेना की हिंद-प्रशांत महासागर में गतिविधि भी बढ़ी है। इस बीच दावा किया जा रहा है कि अमेरिकी लड़ाकू विमान चीनी शहर शंघाई के काफी करीब पहुंच गया जिससे चीन के होश उड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी नौसेना के पी-8ए पनडुब्बी रोधी विमान और ईपी-3ई टोही विमान रविवार को ताइवान के ऊपर से उड़ान भर रहे थे। यह हवाई क्षेत्र चीन के झेजियांग और फ्यूजियान समुद्री तटों के पास है। इन दोनों समुद्री तटों के पास ही चीन का शंघाई शहर स्थित है। खबर में दावा किया गया है कि अमेरिकी लड़ाकू विमान अपनी उड़ान भरते हुए थोड़ी देर के लिए शंघाई से 76.5 किलोमीटर तक पास आ गए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेकिंग विश्वविद्यालय के थिंक टैंक साउथ चाइना सी स्ट्रैटजिक सिचुएशन प्रोबिंग इनीशिएटिव ने अमेरिकी लड़ाकू विमानों के गुजरने के ठीक बाद रविवार सुबह इस बारे में ट्वीट किया था।इसके थोड़ी देर बाद संस्था ने इस बारे में एक और ट्वीट किया और अमेरिकी विमानों की वापसी की जानकारी दी। ट्वीट में बताया गया कि टोही विमान ताइवान के दक्षिणी भाग के पास पहुंचने के बाद वापस उड़ गए। थिंक-टैंक ने इस मुद्दे पर रात में एक बार फिर से ट्वीट किया। थिंक-टैंक ने इस मुद्दे पर रात में एक बार फिर से ट्वीट किया।

संक्षिप्त समाचार

कोरोना से जंग जीत चुके मरीजों को लेकर हुआ चौंकाने वाला खुलासा

बर्लिन। नये कोरोना वायरस संक्रमण से हाल में ठीक हुए करीब 100 मरीजों के एक विश्लेषण में खुलासा हुआ कि उनमें से करीब 80 प्रतिशत के हृदय पर इसका असर नजर आया है। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह नतीजे संकेत देते हैं कि कोविड-19 के दीर्घकालिक परिणामों को समझने के लिये और शोध किये जाने की जरूरत है। जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल असोसिएशन में प्रकाशित अध्ययन में जर्मनी के यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल फ्रेंकफर्ट (यूएचएफ) से अप्रैल और जून 2020 के बीच कोविड-19 बीमारी से ठीक होने वाले 100 लोगों का विश्लेषण किया गया। शोधकर्ताओं के मुताबिक, 78 मरीजों में हृदय संबंधी मामले शामिल थे और 60 लोगों के हृदय में सूजन थी। शोधकर्ताओं में अस्पताल के विशेषज्ञ भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह लक्षण पूर्व से नहीं थे और न ही शुरुआती जांच में कोई गंभीर रोग ही पाया गया था। अध्ययन में वैज्ञानिकों ने आरटी-पीसीआर जांच में नये कोरोना वायरस सार्स-सीओवी-2 से संक्रमित होने के बाद हाल में ठीक हुए मरीजों का विश्लेषण किया था। शोधकर्ताओं ने मरीजों की जनसांख्यिकी विशेषताएं, हृदय के स्वास्थ्य के रक्त सूचक और हृदयवाहिनी चुंबकीय अनुनाद (सीएमआर) जांचों का अध्ययन किया। इस अध्ययन में शामिल 53 मरीज पुरुष थे और औसत उम्र 49 वर्ष थी। अध्ययन के मुताबिक 67 मरीज घर पर ही ठीक हो गए जबकि 37 को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ी। हृदय की जांच के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि हाल में कोविड-19 से ठीक हुए 100 में से 71 मरीजों के रक्त के नमूनों में उच्च-संवेदनशीलता वाले ट्रोपोनिन टी (एचएसटीएनटी) अणु मिले, जबकि पांच में यह महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि हाल में कोविड-19 से ठीक हुए 78 मरीजों की सीएमआर जांच के नतीजे असामान्य थे। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि हृदय के उत्तक के नमूनों के विश्लेषण में प्रतिरोधी तंत्र के कारण सूजन देखने को मिली। वैज्ञानिकों ने अध्ययन में लिखा, च्हमारा अध्ययन बीमारी के शुरुआती चरण में ठीक होने वालों में हृदयवाहिनी के शामिल होने के बारे में महत्वपूर्ण नजरिया देता है।

मलेशिया के टापू पर छुपे 26 रोहिंग्या मुसलमान मिले

कुआलालंपुर। मलेशिया के अधिकारियों ने सोमवार को कहा कि उन्हें पूर्वी टापू पर छिपे वे 26 रोहिंग्या मुसलमान मिले हैं, जिनके मछुआरों की नौका से कूदने के बाद डूबने की आशंका थी। इन लोगों में महिलायें एवं बच्चे भी शामिल हैं । मलेशियाई समुद्री प्रवर्तन एजेंसी ने लैंगकवी के उत्तरी रिसॉर्ट द्वीप के टापू से शनिवार को एक रोहिंग्या प्रवासी के मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया था। रोहिंग्या प्रवासी ने जांचकर्ताओं को बताया था कि कम से कम 24 अन्य रोहिंग्या लापता हैं। एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी जावावी अब्दुल्ला ने बताया कि तलाश अभियान के दौरान अन्य 26 रोहिंग्या वहां से मिले। उन्होंने बताया कि 12 पुरुष, 10 महिलाएं और चार बच्चे वहां से मिले हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि स्थानीय मछुआरे इन्हें एक बड़ी नौका तक पहुंचा रहे थे। अबदुल्ला ने एक बयान में कहा कि पूछताछ के लिए सभी को हिरासत में ले लिया गया है और बाद में उन्हें आव्रजन विभाग के हवाले कर दिया जाएगा। इस बीच, दो अन्य रोहिंग्या प्रवासियों को मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

रिश्वत मामले में मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब पहुंचे अदालत

कुआलालंपुर। मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रज्जाक अरबों डॉलर के सरकारी निवेश की लूट से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में फैसले के लिए मंगलवार को अदालत पहुंचे। देश में नई सरकार आने के पांच महीने बाद इस घटनाक्रम को व्यापक तौर पर देखा जा रहा है। अरबों डालर के भ्रष्टाचार को लेकर 2018 में नजीब की पार्टी को जनता के गुस्से का सामना करते हुए सत्ता से बाहर होना पड़ा था। हालांकि उनकी मलय पार्टी दो साल से भी कम समय में नयी सत्तारूढ़ शासन में मुख्य सहयोगी पार्टी के रूप में शामिल हो गयी । अदालत में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मीडिया के लिए कर्मचारी हैंड सैनिटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं। लोगों को अदालत में प्रवेश से रोक दिया गया है और बाहर खड़ी मीडिया के लिए कर्मचारी हैंड सैनिटाइजर का छिड़काव कर रहे हैं। वहीं मास्क पहने नजीब को इमारत में प्रवेश करते देख उनके समर्थक भी बाहर जुट गए हैं। 67 वर्षीय नजीब ने सोमवार देर रात एक फेसबुक पोस्ट में कहा था कि वह अंत तक लड़ाई लड़ने को तैयार हैं।

अनुच्छेद 370 को लेकर फिर रोना रोएगा पाक, भारत को बदनाम करने का एजेंडा कर रहा तैयार

नेशनल डेस्क।

जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 को समाप्त किए भले ही एक साल होने वाला है लेकिन इसे लेकर पाकिस्तान में उठी आग थमती हुई दिखाई नहीं दे रही है। इसी का नतीजा है कि पाकिस्तान 5 अगस्त को भारत के खिलाफ बड़ी साजिश रचने जा रहा है, जिसके लिए पूरा एजेंडा भी तैयार कर लिया गया है। सेना के सूत्रों के अनुसार घाटी में अशांति फैलाने की साजिश के तहत आतंकियों की ओर से घुसपैठ की कोशिश की जा रही है। सूत्रों के मानें तो जैश ए मोहम्मद के 6 आतंकी केरण सेक्टर के पास से घुसपैठ की फिराक में हैं। वहीं लश्कर के पांच आतंकी केरण सेक्टर के पास ही से ही घुसपैठ की कोशिश कर सकते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान की सरकार 5 अगस्त को देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ मिलकर इस दिन भारत को बदनाम करने की साजिश रच रही है। इमरान खान सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को सभी प्रमुख उर्दू और अंग्रेजी डेली न्यूज पेपर में स्पेशल पेज निकालने का काम सौंपा गया है। वहीं, पीआर डिवीजन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि उस दिन सभी पाकिस्तानी न्यूज चैनल का लोगो ब्लैक कर दिया जाए। इतना ही नहीं 4 अगस्त को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आईएसआई का पीआर डिवीजन भारत और पाकिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सैन्य पर्यवेक्षक समूह (यूएनएमओजीआईपी) की यात्रा का आयोजन करेगा, ताकि वह दिखा सके कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में लोगों पर प्रतिबंध नहीं है। इसके अलावा इमरान खान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की विधानसभा को संबोधित करेंगे, जिसका टीवी पर लाइव प्रसारण होगा। बता दें कि अनुच्छेद 370 के हटाए जाने के बाद से पाकिस्तान लगातार इस कोशिश में है कि किसी भी तरह से जम्मू-कश्मीर के हालातों को बिगाड़ा जाए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना पॉजिटिव युवती से डॉक्टर ने की छेड़खानी

नोएडा (एजेसी)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में एक अस्पताल के कोविड-19 आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती युवती ने डॉक्टर पर छेड़खानी का आरोप लगाया है। दरअसल, डॉक्टर भी युवती के साथ ही आइसोलेशन वॉर्ड में भर्ती था।

पुलिस ने युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि युवती ने तबीयत खराब होने के बाद कोराना संक्रमण की जांच कराई थी। 20 जुलाई को वह ग्रेटर नोएडा स्थित एक हॉस्पिटल गई, वहां रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर उसे आइसोलेशन वॉर्ड में एडमिट कराया गया। उसी दौरान वॉर्ड में एडमिट हॉस्पिटल के डॉक्टर अमृता गोयल युवती को संक्रमण से बचाव के तरीके के बारे में बताने लगे हैं।

युवती ने कहा कि उसी दौरान डॉक्टर ने उसके साथ छेड़छाड़ की। हॉस्पिटल से

डिस्चार्ज होने के बाद युवती ने पूरा मामला अपने परिजनों को बताया है।

हॉस्पिटल के प्रवक्ता ने कहा कि जिस डॉक्टर पर छेड़छाड़ का आरोप लगा है,

वह हॉस्पिटल में पार्ट टाइम डॉक्टर हैं। वह क्रिटिकल केयर के पद पर तैनात है। वह खुद कोविड पेशंट है।

एसओ योगेश मलिक ने बताया कि युवती की शिकायत पर डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद डॉक्टर के खिलाफ आगे कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि नोएडा में सोमवार को कोविड-19 के 45 नए मामले सामने आए हैं।

जिले में अब तक 4,792 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए जा चुके हैं।

इनमें से 4,060 लोगों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दी जा चुकी हैं।

दलित महिला का शव चिता से हटाने की कराई जाए उच्चस्तरीय जांच, मायावती ने सीएम योगी से की मांग

लखनऊ (एजेसी)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने उत्तर प्रदेश के आगरा में दलित महिला का शव कथित तौर पर चिता से हटवाने की घटना को अति—शर्मनाक करार देते हुए मंगलवार को मांग की है कि इस मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए और दोषियों को सख्त सजा दी जानी चाहिए।

मायावती ने ट्वीट किया यूपी में आगरा के पास एक दलित महिला का शव वहां जातिवादी मानसिकता रखने वाले उच्च वर्गों के लोगों ने इसलिए चिता से हटा दिया

क्योंकि वह श्मशान—घाट उच्च वर्गों का था, जो यह अति—शर्मनाक व अति—निंदनीय है। उन्होंने कहा इस जातिवादी घृणित मामले की यूपी सरकार को उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए और दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिलनी चाहिए ताकि प्रदेश में ऐसी घटना दोबारा नहीं हो।

उल्लेखनीय है कि

अछनेरा तहसील के रायभा गांव में एक दलित महिला की मौत हो गई थी। महिला का जब अंतिम संस्कार किया जा रहा था, तब गांव के उच्च जाति के लोगों ने कथित तौर पर शव को चिता से उतरवा दिया।

मामला पुलिस तक पहुंचा तो क्षेत्राधिकारी और थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे लेकिन बात नहीं बनी। इसके बाद शव को हटाकर दूसरी जगह दाह संस्कार कराया गया।

मामला मीडिया में आने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बबलू कुमार ने

भूमि पूजन के दिन हरे रंग के रत्न जड़ित वस्त्र पहनेंगे रामलला

अयोध्या (एजेसी)। रामलला को हर दिन अलग—अलग रंग के कपड़े पहनाए जाते हैं। ५ अगस्त को भूमिपूजन के दिन बुधवार का दिन है, ऐसे में उस दिन भगवान राम हरे रंग के वस्त्र में होंगे। उल्लेखनीय है कि ५ अगस्त को अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस कार्यक्रम में शामिल होने दिल्ली से विशेष तौर पर अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या में इस दिन राम मंदिर आंदोलन से जुड़े रहे २०० वीवीआईपी यहां मौजद रहेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक ५ अगस्त को राम लला को शुभ मुहुर्त के मुताबिक हरे रंग के वस्त्र पहनाए जाएंगे। राम भगवान के इन वस्त्रों में नवरत्न जड़ा होगा। बुधवार को हरा रंग शुभ माना जाता है। ५ अगस्त का राम के वस्त्र तो हरे होंगे ही, उनके पर्दे, चादरें, तकिया भी हरे रंग के होंगे। भगवान राम के अलावा तीनों भाई लक्ष्मण भरत और शत्रुघ्न और साथ—साथ हनुमान को भी नई पोशाक पहनाई जाएगी।रामलला के लिए वस्त्रों का निर्माण और सिलाई बाबूलाल टेलर्स के नाम से शंकर लाल का परिवार करता रहा है। रामादल के अध्यक्ष पंडित कल्की राम के द्वारा इन वस्त्रों को तैयार कराया जा रहा है। इन वस्त्रों को वह राम जन्मभूमि के पुजारी सत्येंद्र दास को सौंपेंगे और यही वस्त्र उस दिन राम लला पहनेंगे।

राम मंदिर के लिए भूमि पूजन के मौके पर अयोध्या को सजाया संवारा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद इसकी निगरानी कर रहे हैं।

सीएम ने २५ जुलाई को अपनी अयोध्या यात्रा के दौरान साफ किया था कि इस आयोजन से पहले ३ दिन तक पूरे अयोध्या में दिवाली जैसा माहौल रहेगा। ३ दिन तक लगातार लोग अपने घरों में दीपक जलाकर दिव्य दिवाली मनाएंगे।इसके अलावा अयोध्या के सड़कों, चौक—चौराहों, गलियों और मंदिरों को भी संवारा जा रहा है।

जगह—जगह भगवान राम के जीवन से जुड़ी हुई कलाकृतियां और पेंटिंग बनाई—लगाई जा रही हैं। फ्लाईओवर, पार्क का रंग रोगन किया जा रहा है।

सख्त कप्तान का कड़ा फैसला दो दारोगा सहित चार पुलिस कर्मी निलम्बित

सीतापुर(एजेसी)।कार्य में लापरवाही बरतने वाले दो दरोगा सहित चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस अधीक्षक आरपी सिंह ने दोनों दरोगा व सिपाहियों को निलंबित कर वहां नई तैनाती भी कर दी है।पुलिस के मुताबिक महोली कस्बे में तैनात दरोगा राजकरण सिंह व आरक्षी कुलदीप व चेतराम की घोर लापरवाही की वजह से महोली कस्बे में कुछ दिन पूर्व राजन गुप्ता नाम के व्यक्ति के साथ लूट हो गई थी। लुटेरों ने उनके घर के पास से दो लाख की नकदी लूट ली थी। इस मामले को एसपी ने गंभीरता से लेते हुए दरोगा राजकरण सिंह को जल्द घटना के खुलासे का निर्देश दिया था।कई दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस टीम घटना का खुलासा नहीं कर सकी। दूसरे इस घटना में पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है जिसके चलते एसपी ने महोली कस्बा चैकी इंचार्ज राजकरण सिंह को निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही कस्बे में ही तैनात आरक्षी कुलदीप व चेतराम को भी निलंबित कर दिया गया है। दरोगा राजकरण सिंह की जगह पर एसपी ने रेउसा में तैनात दरोगा अजय दुबे को तैनात कर दिया है।इसके अलावा शहर कोतवाली में तैनात दरोगा अजय सिंह को भी एसपी ने निलंबित कर दिया है। दरोगा अजय सिंह ने भी अपने कार्य में घोर लापरवाही बरती थी। उच्चाधिकारियों ने अजय सिंह को हरदोई के एक मुकदमे के सिलसिले में अभियुक्त से पूछताछ के लिए कहा था लेकिन अजय सिंह ने ना ही पूछताछ की और ना ही इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी

जिससे नाराज पुलिस अधीक्षक ने दरोगा अजय सिंह को भी निलंबित कर दिया है। अब उनकी जगह पर रेउसा में तैनात दरोगा अजय सिंह को तैनात किया है।

बच्चे की अपहरण के बाद हत्या योगी ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

गोरखपुर (एजेसी)। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही जघन्य वारदातें कानून व्यवस्था पर प्रश्नचिंह खडे कर रही है। राज्य के गोरखपुर जिले के पिपराइच इलाके में कक्षा छह में पढ़ने वाले एक छात्र का अपहरण हो गया। अगले दिन उसका शव पुलिस ने बरामद कर लिया। इसके घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है। १४ साल के बच्चे बलराम गुप्ता के पिता की परचून (ग्रासरी) और पान की दुकान है।

पिता महाजन गुप्ता का घर जंगल छत्रधारी इलाके में है। बच्चे का अपहरण रविवार दोपहर बाद हुआ था और उसके बाद परिवार को फिरौती के लिये फोन आया था।

उधर लखनऊ में एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में अपहृत बालक की मृत्यु की घटना में अपराधियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) लगाए जाने पर विचार करने तथा प्रकरण में पुलिस की जवाबदेही निर्धारित करने के निर्देश भी दिए हैं।

महाजन गुप्ता ने बताया कि रविवार दोपहर बाद १४ साल के बच्चा बलराम गुप्ता खाना खाने के बाद घर के बाहर खेलने गया था। शाम को मेरे पास एक अनजान नंबर से फोन आया और मुझसे बच्चे के बदले एक करोड़ रूपये की फिरौती मांगी गयी। मैने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनील कुमार गुप्ता ने सोमवार को बताया कि जैसे ही इस घटना की जानकारी मिली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुये अपहरणकर्ताओं को रविवार रात गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान अपहरणकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने बच्चे को रात को ही मार दिया था, उनसे मिली जानकारी के अनुसार बच्चे का शव बरामद कर लिया गया है।

एसएसपी के मुताबिक बच्चा दोपहर बाद से गायब था

और उसके पिता ने पुलिस को इस बारे में शाम को जानकारी दी थी।

उधर लखनऊ में अपर पुलिस महानिदेशक कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि इस मामले में कई संदिग्ध व्यक्तियों को लेकर पूछताछ की गयी थी।

दयानंद राजभर नामक व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने बताया कि बच्चे को मार दिया गया है उसकी निशानदेही पर केवटिया टोला नाले से एक बोरे में शव बरामद किया गया। दयानंद से पूछताछ जारी है इस घटना में तीन—चार अन्य लोग भी शामिल है जिनकी तलाश जारी है।

गोरखपुर के पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) अरविंद कुमार पांडेय ने बताया कि बच्चे का शव सोमवार शाम बरामद हुआ है। रविवार रात एक अभियुक्त और कई संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया था और पूछताछ में उन्होंने बताया कि बच्चे को रात में ही मार दिया था। उन्होंने बताया कि बच्चा रविवार को दोपहर करीब १२ बजे से गायब था और उसके पिता को फिरौती के लिये फोन दोपहर तीन बजे आया

और उन्होंने पुलिस को शाम पांच बजे जानकारी दी। अभी यह बताना जल्दबाजी होगी कि अपहरण क्यों किया गया लेकिन जांच के बाद जल्द ही सच्चाई सामने आ जायेगी। ऐसा लगता है कि अपहरणकर्ता स्थानीय थे। लखनऊ में एक सरकारी प्रवक्ता के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में अपहृत बालक की मृत्यु की घटना में अपराधियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अपराधियों के विरुद्ध रासुका लगाए जाने पर विचार करने तथा प्रकरण में पुलिस की जवाबदेही

निर्धारित करने के निर्देश भी दिए हैं।

मासूम को बंधक बना बदमाशों ने डाली घर में डकैती

गाजियाबाद (एजेसी)। नगर के पॉश इलाके चि. रंजीव विहार में आधा दर्जन हथियारबंद बदमाशों ने आठ लोगों को बंधक बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान बदमाषों ने आठ महीने के एक बच्चे को बदमाशों ने गन प्वाइंट पर ले लिया। वारदात के समय एक महिला के साथ बदसलूकी भी की गई। जानकारी के मुताबिक गाजियाबाद के कविनगर थाना क्षेत्र के सेक्टर—८, चिरंजीव विहार निवासी किसान भोपाल शर्मा (७०) के घर सात सशस्त्र बदमाशों ने सोमवार रात डकैती की घटना को अंजाम दिया।

बदमाश रात डेढ़ बजे से सुबह साढ़े चार बजे तक घर में रहे। आठ माह के बच्चे को गन प्वाइंट पर लेकर भोपाल शर्मा की दो विवाहित बेटियों, दो पोतियों और नातिनों के हाथ बांधकर और मुंह में कपड़ा ठूंस कर बदमाशों ने चार घंटे तक पूरा घर खंगाल डाला। इस दौरान बदमाशों ने महिलाओं के साथ अभद्रता भी की।

पीड़ित परिवार के मुताबिक बदमाश घर से आठ लाख रुपये के जेवर और एक लाख रुपये कैश लूट कर ले गए गए। भोपाल शर्मा केदारनाथ बाढ़ पीड़ित हैं। वर्ष २०१४ में केदारनाथ घूमने गए इनके बेटे, पुत्रवधू और पोते समेत छह लोगों की बाढ़ आपदा में मौत हो गई थी। पास लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाश कैद हुए हैं।

सार—समाचार

परवेज परवाज को दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद

गोरखपुर (एजेसी)। दो वर्ष पुराने दुष्कर्म के मामले में महमूद उर्फ जुम्मन बाबा व परवेज परवाज को आजीवन कारावास और २५—२५ हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद बल्लभ शर्मा ने यह सजा सनाई। गौरतलब है कि परवेज परवाज दो साल से जेल में बंद है।

वादिनि ने थाना राजघाट में दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने लिखा था कि वह अपने पति से अलग रहती है। वह झाड़—फूंक के लिए मगहर मजार जाती थी, जहां उसे जुम्मन बाबा मिला था। उन्होंने कई दरगाहों पर झाड़ फूंक की, जिससे मुझे राहत मिली। ३ जून, २०१८ को उन्होंने रात १०:३० बजे पांडेयहाता के पास दुआ करने के बहाने बुलाया और एक सुनसान स्थान पर ले गए। वहां परवेज और एक अन्य ने उससे दुष्कर्म किया। उस शख्स को जुम्मन, परवेज भाई बोल रहे थे।

उल्लेखनीय है कि परवेज परवाज ने २००७ में दंगों को लेकर तत्कालीन सांसद योगी आदित्यनाथ पर केस दर्ज कराया था। योगी पर गोरखपुर रेलवे स्टेशन गेट के सामने हेट स्पीच देने और गोरखपुर व आस—पास के जिलों में बड़े पैमाने पर हिंसा होने का आरोप लगाया था। बाद में इस मामले में योगी पर मुकदमा नहीं चलाने का फैसला इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा किया गया था।

कानपुर में १७ जुलाई को किडनैप किए गए बृजेश पाल की लाश मिली

कानपुर (एजेसी)। कानपुर में १७ जुलाई से लापता बृजेश पाल नामक युवक की लाश बरामद हो गई है। बृजेश की उसके ही दोस्त सुबोध सचान ने हत्या कर दी थी। वजह यह थी कि बृजेश का दोस्त कर्ज़ में था। उसने बृजेश की हत्या के बाद शव कुएं में फेंका और कुछ घंटे बाद परिवार को २० लाख की फिरौती के लिए कॉल किया था।

देहात थाना भोगनीपुर के अंतर्गत एक धर्मकांटे पर ड्यूटी करने गए बृजेश पाल का नाटकीय ढंग से अपहरण हो गया था। अपहरणकर्ताओं ने उसी के फोन से ५ दिन के अंदर २० लाख रुपये की मांग की थी। पाल की उसके ही दोस्त सुबोध सचान ने नींद की गोलियां देने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी थी। वारदात के बाद बीहड़ी क्षेत्र देवराहट में उसका शव कुएं में फेंक दिया था। हत्या के आरोपी पर दो ट्रकों का लाखों रुपये का कर्ज था। उसे चुकाने के लिए ही उसने शव ठिकाने लगाने के बाद २० लाख रुपये फिरौती के लिए फोन किया था। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सर्विलांस के दौरान मंगलवार को पुलिस ने बृजेश के दोस्त सुबोध सचान को हिरासत में लिया।

सख्ती से पूछताछ में उसने कबूला कि १७ जुलाई की रात वह अपनी कार से बृजेश से मिलने गया था। पार्टी के नाम पर उसे धर्मकांटे से बाहर बुलाकर गाड़ी में बैठाया और शराब पी। बृजेश के लिए मंगाई सॉफ्ट ड्रिंक में नींद की गोलियां मिला दी थीं। बृजेश के बेहोश होते ही रस्सी से गला कसकर उसकी हत्या कर दी थी। शव देवराहट के जंगलों में कुएं में फेंक दिया था। सुबोध की निशानदेही पर पुलिस ने कुएं से शव निकलवाया । परिजन ने कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान कर ली। बताते हैं कि सुबोध ने फिरौती का पहला कॉल उसके ही मोबाइल से किया था। हालांकि, मोबाइल पर फोन आने के बाद १०—११ दिनों में पुलिस सर्विलांस के जरिए उसे पकड़ने में नाकाम रही।

२० किलो ७८० ग्राम गांजा सहित चार दबोचे

अलीगढ़ (एजेसी)। थाना सासनीगेट पुलिस ने चार अर्न्तराज्यीय गांजा तस्करों को गिरतार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में कार में रखा हुआ गांजा बरामद किया है।

सीओ प्रथम शुभम पटेल आईपीएस ने बताया कि सोमवार की रात्रि गश्त व चौकिंग के दौरान सासनी गेट थाने की पुलिस ने मथुरा रोड हाइवे ब्रिज के नीचे से टाटा टिगौर कार संख्या यूपी ८१ सीटी १२१८ सहित चार लोगों को नाजायज २० किलो ७८० ग्राम गांजा सहित गिरतार किया। इनमें टीकम उर्फ भोजू पुत्र मदन लाल व अतुल भारद्वाज उर्फ बन्टी पुत्र सूरजपाल शर्मा निवासीगण गली नं. एक डोरी नगर, नसरूद्दीन पुत्र बाबू खां निवासी कोछोंड थाना क्वार्सी और सागर पुत्र किशन गुप्ता निवासी डोरी नगर पला रोड फाटक के पास थाना गांधीपार्क है। यह अर्न्तराज्यीय गिरोह के सदस्य स्थानीय व दिल्ली ले जाकर गांजा बेचा करते थे।इन्हे आज जेल भेज दिया गया है

शिक्षक नेता के बेटे को पीट—पीटकर मार डाला

बरेली (एजेसी)। जिले के सिरौली इलाके में सोमवार आधी रात को शिक्षक नेता के बेटे को पीट—पीट कर घायल कर दिया गया। उसे आंवला के सरकारी अस्पताल ले जाया गया।

जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने दो लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है।

पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक रामनगर ब्लाक के रहने वाले शिक्षक नेता रिटायर्ड शिक्षक बुद्ध पाल का ३२ वर्षीय बेटा धीरज सोमवार रात को खेत पर धान की सिंचाई कर रहा था।

आधी रात के वक्त दो लोगों ने उसे खेत में घेर लिया। उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया हाथ पैर बांधकर लाठी—डंडे व लात घूंसों से जमकर पिटाई की। मरणासन्न हालत में छोड़कर उसे फरार हो गए।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राम मंदिर निर्माण के लिए पांच करोड़ दान करेंगे मोरारी बापू

क्रांति समय सुरत

भावनगर , राममंदिर में रामलला के मंदिर के निर्माण के लिए तैयारियां जोर—शोर से चल रही हैं।

अगले महीने पांच अगस्त को इसका शिलान्यास किया जाएगा,

जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत, लाल कृष्ण आडवाण ी समेत कई नेता शामिल

होंगे।

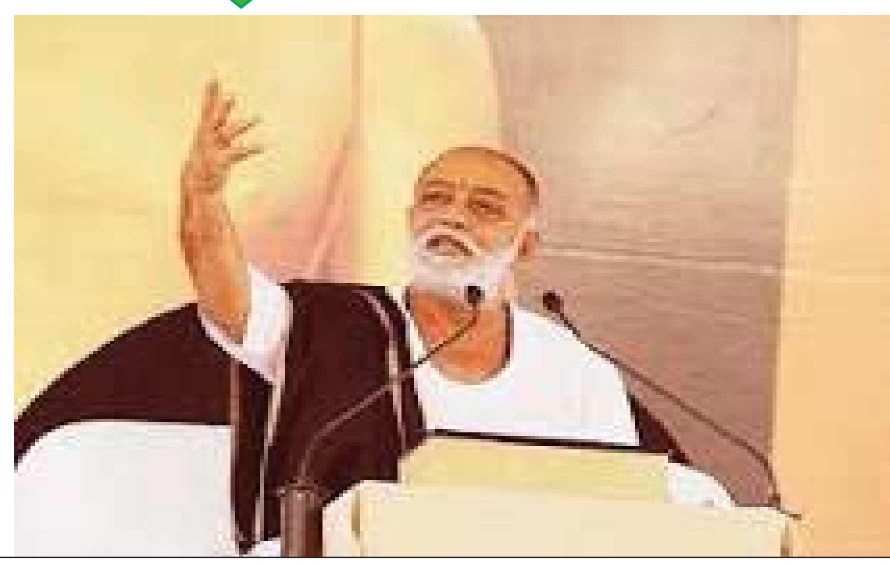

रामलला मंदिर के निर्माण के लिए प्रसिद्ध कथा वाचक मोरारी बापू ने पांच करोड़ रुपए दान करने का एलान किया है।

इसके अलावा विश्व हिंदू परिषद ने बताया कि रामलला मंदिर के लिए देश के समस्त हिंदूओं से पैसे इकट्ठा किए जाएंगे।

भावनगर के तलगाजरडा में डि. जिटल माध्यम से रामकथा करने वाले संत मोरारी बापू ने अपनी व्यासपीठ से रामलला मंदिर को बनाने में पांच करोड़ रुपए देने का एलान किया।

मोरारी बापू ने कहा कि सबसे पहले राम जन्मभूमि के लिए यहां पांच करोड़ भेजे जाएंगे,

जो प्रभु श्री राम के चरण में एक तुलसीपत्र के रूप में भेंट होगी। मोरारी बापू ने रामकथा का वाचन करते हुए यह भी कहा

कि चित्रकूट धाम तलगाजरडा में स्थित हमारे आश्रम की तरफ से राम जन्मभूमि के लिए पांच लाख रुपए दिए जाएंगे।

साथ ही जो भी श्रोता भगवान श्रीराम के भक्त हैं

और रामलला के मंदिर के लिए दान करना चाहते हैं उनकी तरफ से पांच करोड़ रुपए का दान किया जाएगा।

स्मीमेर अस्पताल के रेसीडेंट डॉक्टरों ने दी हडताल की धमकी

क्रांति समय सुरत

सूरत , शहर में कोरोना का कहर जारी हैं। मनपा संचालित स्मीमेर अस्पताल के रेसीडेंट डॉक्टरों ने फीस माफी की मांग को लेकर ३१ जुलाई तक हडताल पर जाने की धमकी दी हैं।

सूरत जिला व शहर में कोरोना का कहर लगातार जारी हैं। कोरोना संक्रमण के बीच रेसीडेंट डोक्टर जान बीच फर्ज निभा रहे मनपा संचालित स्मीमेर अस्पताल के रेसिडेन्ट चिकित्सकों ने ६ माह की फीस रद्द करने की मांग की हैं। मनपा द्व ारा फीस माफ नहीं करने पर ३१ जुलाई तक हडताल करने की धमकी दी हैं।

रेसीडेंट डॉक्टरो ने डीन, सुप्रिटेन्डेन्ट, मनपा कमिशनर, नर्मद युनिवर्सिटी के कुलपति सहित के अधि में फर्ज निभा रहे है।

जान जोखिम में डालकर हम काम कर रहे है।

कोरोना के चलते हमारा परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है।

हम ६ माह की ७.५० लाख की रेसीडेंट फीस अदा कर पाने की स्थिति में नहीं है।

हम जान जोखिम में डालकर कोविड सेन्टर में रहा।

हम सिर्फ कोरोना वोर्ड व इमरजैंसी में भी फर्ज निभाने के कारण हमारी पढाई को नुकसान हो रहा है।

सरकार ने हरेक क्षेत्र में सभी को फीस में राहत दी है, सरकार को हम डॉक्टरों को भी देनी चाहिए।

रेसीडेंट डॉक्टरों ने मनपा के उच्चाधिकारियों को अने. कों बार पेशकश की है,

जोखिम में डालकर कोविड सेन्टर व कोविड इमरजैंसी में फर्ज निभा रहे हैं। स्मीमेर अस्पताल में लापरवाही के अनेक किस्से प्रकाश में आए हैं। कोरोना संक्रमण के ाकारियों को ज्ञापन सौंपा है। स्मीमेर अस्पताल के रेसीडेन्ट डॉक्टरों की टीम ने बताया कि हम पिछले ६ माह से एक भी दिन की छुट्टी के बगैर कोरोना सेन्टर फर्ज निभा रहे है, इसलिए हमारी फीस माफ कर दी जाए।

रेसीडेंट चिकित्सकों ने जिन क्षेत्र में प्रवेश लिया है।

वहां प्रशिक्षण नहीं मिल परंतु प्रशासन द्वारा कोई प्रत्युत्तर नहीं मिलने पर आगामी ३१ जुलाई तक फीस माफ नहीं करने की रेसिडेन्ड डॉक्टरों ने हडताल करने का अल्टीमेटम दिया

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री बुधवार को राजकोट—वडोदरा के एक दिवसीय दौरे पर

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद,मुख्यमंत्री विजय रूपाणी बुधवार, २९ जुलाई को उप मुख्यमंत्री नि. तिनभाई पटेल के साथ का. ेरोना संक्रमण और नियंत्रण की समीक्षा के लिए राज. कोट और वडोदरा के एक दिवसीय दौरे पर जाएंगे। समीक्षा बैठक के बाद मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री सांसद, विधायक और रा. जकोट के महापौर और मनपा पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। विजय रूपाणी और नितिनभाई पटेल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की राजकोट एवं वडोदरा के इस समीक्षा दौरे में मुख्य सचिव अनिल मुकीम, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव के. कैलाशनाथन और स्वास्थ्य विभाग की प्रध ाान सचिव डॉ. जयंति रवि भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री वडोदरा शहर एवं जिले के विधायकों, महापौर और पदाधिकारियों सहित आईएमए की वडोदरा शाखा के अग्रणी डॉक्टरों के साथ सिलसिलेवार बैठक के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे।

वे बुधवार सुबह साढ़े दस बजे राजकोट पहुंचकर राजकोट शहर और ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना कोविड—१९ की स्थिति के संदर्भ में कल. क्टर, मनपा आयुक्त, डीडी. ओ और पुलिस आयुक्त के साथ समीक्षा बैठक करेंगे।

अधिकारियों के साथ राजकोट शाखा के अग्रणी डॉक्टरों और राज्य सरकार के महत्वपूर्ण डॉक्टरों के साथ भी बैठक करेंगे।

बाद में वे राजकोट में प्रेस वार्ता करेंगे और दोपहर बाद वडोदरा के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के साथ मुख्यमंत्री इन वरिष्ठ अधि ाकारियों के साथ दोपहर बाद ३ बजे वडोदरा पहुंचेंगे।

वे वडोदरा में भी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र की कोरोना संक्रमण नियंत्रण स्थिति की समीक्षा के लिए जिले के शहर प्रशासन, मनपा और पंचायत एवं पुलिस विभाग आयोजित कर हालात का ब्यौरा हासिल कर मार्गदर्शन देंगे।

वडोदरा में बैठकों की श्रृंखला पूरी करने के बाद मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री मीडिया के साथ बातचीत करेंगे और फिर गांधीनगर वापस लौट आएंगे।

१ अगस्त से मास्क नहीं पहनने पर लगेगा ५०० रुपए का जुर्माना

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद , आगामी १ अगस्त से मास्क नहीं पहनने और सार्वजनिक स्थलों पर थूंकने पर ५०० रुपए का जुर्माना लगेगा । फिलहाल इसके लिए २०० रुपए जुर्माना वसूला जाता है, जो १ अगस्त से बढ़कर ५०० रुपए हो जाएगां।

मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने आगामी १ अगस्त से मास्क नहीं पहनने और सार्वजनिक स्थलों पर थूंकने वालों पर ५०० रुपए जुमा. ेना लगाने का आदेश दिया हैं। आम लोगों को सरलता से मास्क उपलब्ध हो सकें, इसके लिए राज्य स्थित अमूल पार्लरों पर केवल २ रुपए में सादे मास्क उपलब्ध कराया जाएगां बता दें कि गुजरात में कोरोना की रफ्तार तेज हो गई है। राज्य में अब तक कोरोना का आंकड़ा ५६८७४ पर पहुंच गया है और २३४८ मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है।

कोरोना पॉजिटिव के सबसे अधिक केस २५८७५ अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं और १५७९ मरीजों की मौत हो चुकी है। दूसरे नंबर पर सूरत है, जहां कोरोना के ११९४८ केस दर्ज हो चुके हैं और ३६७ मरीज अपनी जान गंवा चुके हैं।

गुजरात में कोरोना का आंकड़ा पहुंचा ५७९८२, २४ घंटों में १०३२ नए केस

अहमदाबाद, पिछले २४ घंटों में ११०८ नए केसों के साथ कोरोना पॉजिटिव केसों की संख्या ५७९८२ पर पहुंच गई है। इस दौरान १०३२ लोगों को डिस्चार्ज किया गया है और २४ मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते २४ घंटों में कोरोना के सबसे अधिक सूरत शहर में १९९ और जिले में ९४ समेत कुल २९३ नए केस सामने आए हैं। जबकि २४८ लोगों को डिस्चार्ज किया गया। वहीं अहमदाबाद शहर में १४७, वडोदरा शहर में ७५, राजकोट शहर में ४९, दाहोद में ३८, गांधीनगर जिले में ३५, बनासकांठा में ३४, सुरेन्द्रनगर में ३२, राजकोट जिले में ३०, अमरेली में २६, जामनगर शहर में २२, नवसारी में २१, भावनगर जिले में २०, महीसागर में २०, भरुच में १९, पंचमहल में १९, भावनगर शहर में १८, मेहसाणा में १८, पाटन में १८, वलसाड में १८, नर्मदा में १६, वडोदरा जिले में १६, गिर सोमनाथ में १५, खेडा में १३, आणंद में ११, जूनागढ़ शहर में ११, कच्छ में १०, अहमदाबाद जिले में ९, गांधीनगर शहर में ९, मोरबी में ९, बोटाद में ८, साबरकांठा में ८, साबरकांठा में ८, तापी में ६, जूनागढ़ जिले में ५, जामनगर जिले में ४, पोरबंदर में ४ और अरवल्ली में २ समेत राज्यभर में कोरोना पॉजिटिव के कुल 1108 मामले दर्ज हुए और 1032 लोग ठीक हुए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)